राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक RNI No - UPHIN/2021/80397

न्यूज़ वाणी

www.newswani.in

लखनऊ एवं फतेहपुर से एक साथ प्रकाशित

वर्ष : 05 अंक : 296 लखनऊ, सोमवार, 03 नवम्बर, 2025 पृष्ठ : 6 मूल्य : 1 रूपया

योगी सरकार का बागवानी क्षेत्र में आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन की दिशा में बड़ा कदम

लखनऊ 02 नवम्बर (एजेंसी)योगी सरकार प्रदेश में बागवानी क्षेत्र को आत्मनिर्भरता और रोजगार सृजन का सशक्त माध्यम बनाने के उद्देश्य से ठोस कदम उठा रही है। उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग द्वारा एकीकृत बागवानी विकास मिशन (राष्ट्रीय बागवानी मिशन) के अंतर्गत वर्ष 2025–26 में व्यापक माली प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। यह प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क है और इसका मुख्य उद्देश्य युवाओं एवं किसानों को बागवानी में तकनीकी दक्षता प्रदान कर पौधशाला स्थापना तथा स्वरोजगार को प्रोत्साहित करना है।प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि यह पहल सरकार की दूरदर्शी नीति का हिस्सा है, जिसके तहत नागरिकों को कृषि एवं उद्यानिकी से जुड़े व्यावहारिक कौशल सिखाकर उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि फल, सब्जी, फूल, औषधीय पौधों और नर्सरी प्रबंधन के क्षेत्र में रोजगार की असीम संभावनाएं हैं जिन्हें इस प्रशिक्षण से नई दिशा मिलेगी।प्रशिक्षण की अवधि न्यूनतम 390 घंटे (लगभग 50 दिन) निर्धारित की गई है। इस दौरान प्रशिक्षुओं को आवास, भोजन, अध्ययन सामग्री तथा एक बार आने–जाने का किराया विभाग द्वारा वहन किया जाएगा। यह सुविधा न केवल ग्रामीण युवाओं के लिए आकर्षक है बल्कि उन किसानों के लिए भी उपयोगी है जो पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की ओर बढ़ना चाहते हैं।

राज्य सरकार ने इसके लिए विभिन्न मण्डलोंमेंप्रशिक्षण केंद्रोंकी जिम्मेदारी तय की है। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, बस्ती को बस्ती, गोरखपुर और आजमगढ़ मण्डलों कीय मलिहाबाद (लखनऊ) केन्द्र को अयोध्या, बरेली और देवीपाटन मण्डलों कीय खुशरूबाग (प्रयागराज) केन्द्र को प्रयागराज, मीरजापुर और चित्रकूट मण्डलों कीय सहारनपुर केन्द्र को सहारनपुर, मुरादाबाद और मेरठ मण्डलों की जिम्मेदारी दी गई है। इसी प्रकार अधीक्षक राजकीय उद्यान, आलमबाग, लखनऊ को लखनऊ, झांसी और वाराणसी मण्डलों की जिम्मेदारी दी गई है, जबकि सेन्टर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजिटेबल, कन्नौज को कानपुर, आगरा और अलीगढ़ मण्डलों के लिए नामित किया गया है।इन केंद्रों पर कोई भी इच्छुक नागरिक अपने निकटतम औद्यानिक प्रशिक्षण केंद्र पर जाकर पंजीकरण करा सकता है। सभी केंद्रों द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की तिथियां शीघ्र घोषित की जा रही हैं ताकि पात्र अभ्यर्थी समय रहते आवेदन कर सकें।उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशक डॉ. भानु प्रकाश राम ने बताया कि किसान प्रशिक्षण केंद्र, राजकीय उद्यान, आलमबाग, लखनऊ को झांसी, लखनऊ और वाराणसी मण्डलों के लिए माली प्रशिक्षण कार्यक्रम का लक्ष्य दिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण के लिए अभ्यर्थी की आयु 1 जुलाई 2025 को 18 से 40 वर्ष के बीच होनी चाहिए और न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता के रूप में कक्षा 5 उत्तीर्ण आवश्यक है।अभ्यर्थियों को आवेदन पत्र के साथ शैक्षणिक प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, जाति प्रमाणपत्र और निवास प्रमाणपत्र की स्वप्रमाणित छायाप्रति संलग्न करनी होगी। आवेदन पत्र 10 नवंबर 2025 को सायं 5 बजे तक किसान प्रशिक्षण केंद्र, राजकीय उद्यान, आलमबाग, लखनऊ में स्वयं जमा किए जा सकते हैं। चयन प्रक्रिया पूर्णतः प्रथम आवक, प्रथम पावक के आधार पर होगी।प्रशिक्षण से संबंधित अधिक जानकारी के लिए इच्छुक अभ्यर्थी मोबाइल या व्हाट्सएप नंबर 9451476482, 9919108242 पर संपर्क कर सकते हैं या ईमेल `हहसाव/हउंपसबवउ पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यह पहल न केवल युवाओं को स्वरोजगार के अवसर प्रदान करेगी बल्कि राज्य की ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

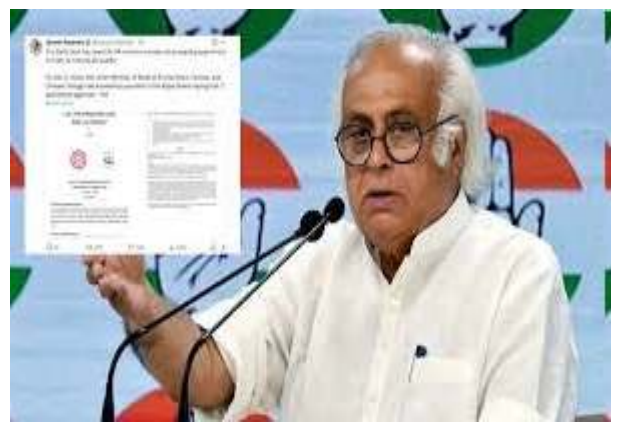

'क्लाउड सीडिंग' को लेकर कांग्रेस ने साधा दिल्ली सरकार पर निशाना, कहा- 34 करोड़ खर्च करके जनता के साथ किया भद्दा मजाक

नयी दिल्ली02 नवम्बर (एजेंसी) कांग्रेस ने वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए 'क्लाउड सीडिंग' (कृत्रिम बारिश के) प्रयोग को लेकर रविवार को दिल्ली सरकार पर कटाक्ष किया और कहा कि सीमित क्षेत्र में एक–दो दिन के लिए हुए थोड़े सुधार को "भद्दा मजाक" कहना उचित होगा। कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि दिल्ली सरकार ने वायु गुणवत्ता सुधारने के उद्देश्य से 'क्लाउड सीडिंग' प्रयोग पर 34 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। उन्होंने बताया कि पांच दिसंबर 2024 को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री ने राज्यसभा में एक प्रश्न के उत्तर में कहा था कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में तीन विशिष्ट एजेंसियां वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने सर्दी में वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए कृत्रिम बारिश के प्रयोग की स्पष्ट रूप से सलाह नहीं दी। रमेश ने कहा कि इसके बाद 31 अक्टूबर 2025 को आईआईटी, दिल्ली के 'सेंटर फॉर एटमॉस्फेरिक साइंसेज' ने इस विषय पर एक विस्तृत रिपोर्ट जारी की, जिसमें स्पष्ट किया गया कि सर्दी में कृत्रिम बारिश से दिल्ली की बेहद खराब वायु गुणवत्ता में किसी भी महत्वपूर्ण सुधार की उम्मीद नहीं की जा सकती। उन्होंने कहा, "सर्दी में 'क्लाउड सीडिंग' निश्चित रूप से नाटकीय लगती है और यह दिखाती है कि सरकार कुछ कर रही है, लेकिन वैज्ञानिक समुदाय इसकी प्रभावशीलता पर गंभीर सवाल उठाता है। ऐसे में क्या केवल सुर्खियां बटोरने के लिए इस पर इतना भरोसा करना बुद्धिमानी है?" रमेश ने कहा, "सीमित क्षेत्र में एक–दो दिन के लिए 'थोड़ा सुधार' होना, जैसा अब दावा किया जा रहा है, वास्तव में एक भद्दा मजाक है।" उन्होंने राज्यसभा में दिए गए पर्यावरण मंत्री के उत्तर और आईआईटी दिल्ली की रिपोर्ट भी 'एक्स' पर साझा की।

तेलंगाना में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस आफिस पर हमला किया,फर्नीचर जलाया

हैदराबाद02 नवम्बर (एजेंसी) तेलंगाना के खम्मम जिले के मनुगुरु इलाके में रविवार को कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बीआरएस (भारत राष्ट्र समिति) के स्थानीय ऑफिस पर हमला कर दिया। उन्होंने ऑफिस में तोड़फोड़ की, फर्नीचर जलाया और कांग्रेस का झंडा फहरा दिया। वायरल वीडियो में कांग्रेस के झंडे थामे लोग बीआरएस ऑफिस में घुसते और नारेबाजी करते दिखाई दिए। झड़प के दौरान दोनों पक्षों में मारपीट हुई और कुछ लोग घायल भी हुए। हालांकि पुलिस ने अभी तक किसी के घायल होने की पुष्टि नहीं की है। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने "हमें हमारा ऑफिस वापस दो" के नारे लगाते हुए प्रदर्शन भी किया। सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। बड़ी संख्या में सुरक्षा बल तैनात किए गए हैं। इधर, कांग्रेस कार्यकर्ताओंका कहना है–बीआरएस शासन के दौरान उनका ऑफिस जबरन कब्जा कर लिया गया था। उनका कहना है कि तब के विधायक ने पुलिस सुरक्षा में कांग्रेस दफ्तर पर कब्जा कर उसे बीआरएस के गुलाबी रंग में रंगवा दिया था। हम इसे फिर वापस लेंगे। बीआरएस ने एक्स पर कांग्रेस पर हिंसा का आरोप लगाते हुए कहा, "कांग्रेस का मतलब है ।

पटना में मोदी का शक्ति प्रदर्शन

उमड़ा जनसैलाबय फिर एक बार NDA सरकार का संकल्प

पीएम मोदी ने पटना में भव्य रोड शो के साथ एनडीए के चुनावी अभियान की शुरुआत की, जहाँ समर्थकों ने ष्मोदी-मोदीष के नारे लगाए और उत्साहपूर्ण स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने विपक्षी गठबंधन, खासकर राजद और कांग्रेस पर परिवारवाद व भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए तीखा हमला किया, जबकि अपनी सरकार को विकास-केंद्रित बताया।

नयी दिल्ली02 नवम्बर (एजेंसी)प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को पटना में एक भव्य रोड शो किया। हजारों समर्थकों द्वारा भव्य स्वागत के साथ, प्रधानमंत्री मोदी ने एनडीए के चुनावी अभियान की शुरुआत की। कड़ी सुरक्षा के बीच, जब प्रधानमंत्री का काफिला शहर से गुजरा, तो लोगों ने जयकारे लगाए, भाजपा के झंडे लहराए और मोदी–मोदी के नारे लगाए। महिलाएं अपनी बालकनियों से आरती उतारती नजर आईं जबकि अन्य लोग मार्ग पर पुष्प वर्षा करते नजर आए, जिससे रोड शो एक उत्सव में बदल गया।प्रधानमंत्री मोदी के रोड शो पर भाजपा सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि यह अविश्वसनीय था। महिलाओं ने अपनी प्रशंसा व्यक्त की और आरती उतारीय यह हमारे लिए एक भावुक क्षण था। इससे पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने नवादा में एक विशाल जनसभा को संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने बिहार के लोगों के अपार उत्साह के लिए उनका आभार व्यक्त किया और कहा कि युवाओं में दिख रही ऊर्जा ष्फिर एक बार एनडीए सरकारष का एक मजबूत संदेश देती है। उन्होंने कहा कि भीड़ का उत्साह एनडीए के विकास–केंद्रित शासन मॉडल में लोगों के विश्वास को दर्शाता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ष्यहाँ की ऊर्जा प्रगति के हमारे विजन में बिहार के विश्वास को दर्शाती है।अपने भाषण में, प्रधानमंत्री ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला और राजद और कांग्रेस दोनों पर जनकल्याण से पहले पारिवारिक हितों को प्राथमिकता देने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, ष्राजद और कांग्रेस, दोनों ही अपने–अपने परिवारों के इर्द–गिर्द घूमती हैं। एक बिहार का सबसे भ्रष्ट परिवार है तो दूसरा देश का सबसे भ्रष्ट परिवार है।ष प्रधानमंत्री मोदी ने गठबंधन की अंदरूनी कलह का भी मजाक उड़ाया और दावा किया कि कांग्रेस और राजद अपनी साझेदारी के बावजूद एक–दूसरे के खिलाफ काम कर रहे हैं।

दिल्ली की वायु गुणवत्ता 'बेहद खराब', प्रियंका गांधी ने पीएम मोदी और सीएम रेखा गुप्ता से की खास अपील

नयी दिल्ली02 नवम्बर (एजेंसी)कांग्रेस सासंद प्रियंका गांधी वाद्रा ने दिल्ली में वायु प्रदूषण की समस्या को उठाते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पर्यावरण मंत्री भूपेन्द्र यादव और दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से हस्तक्षेप की रविवार को अपील की। प्रियंका ने कहा कि केरल के वायनाड और फिर बिहार के बछवाड़ा से दिल्ली लौटकर सांस लेना वास्तव में चौंकाने वाला अनुभव है। प्रियंका गांधी ने 'एक्स' पर लिखा, "अब समय आ गया है कि हम सभी अपने राजनीतिक स्वार्थों से ऊपर उठकर एकजुट हों और इसके खिलाफ कुछ ठोस कदम उठाएं। केंद्र और राज्य सरकारों को तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। हम सब किसी भी ऐसे कदम का समर्थन और सहयोग करेंगे जो इस भयावह स्थिति से निपटने में मददगार साबित हो। प्रियंका गांधी ने कहा कि दिल्लीवासी हर साल इस जहरीली हवा को झेलने पर मजबूर होते हैं और उनके पास कोई विकल्प नहीं होता। उन्होंने कहा, "सांस से जुड़ी बीमारियों से ग्रस्त लोगों, स्कूल जाने वाले बच्चों और बुजुर्गों, सभी को तत्काल राहत की आवश्यकता है। हमें इस प्रदूषण से निपटने के लिए तुरंत कार्रवाई करनी चाहिए। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी, पर्यावरण मंत्री यादव तथा दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता से तत्काल कदम उठाने का अनुरोध किया। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, रविवार को हवा की धीमी गति के कारण प्रदूषक तत्व कम तितर–बितर हुए और दिल्ली की वायु गुणवत्ता "बहुत खराब" श्रेणी में बनी रही। राजधानी का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) शनिवार के 303 से बढ़कर रविवार सुबह 386 दर्ज किया गया। दिल्ली के वायु गुणवत्ता प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (एक्यूईडब्ल्यूएस) ने बताया कि उत्तर–पश्चिम दिशा से आने वाली हवाओं की गति शाम और रात के दौरान आठ किलोमीटर प्रति घंटा से कम हो गई, जिससे प्रदूषकों का तितर–बितर होना रुक गया। सीपीसीबी के समीर ऐप के अनुसार 17 निगरानी केंद्रों में 'गंभीर' श्रेणी की वायु गुणवत्ता दर्ज की गई, जिनमें से वजीरपुर का एक्यूआई सबसे अधिक 439 रहा। इसके अलावा, 20 अन्य केंद्रों ने 'बहुत खराब' श्रेणी (300 से ऊपर) की वायु गुणवत्ता दर्ज की।

लोकतंत्र बचाने सुप्रीम कोर्ट जाएगी डीएमके

स्टालिन ने 49 दलों संग एसआईआर को बताया मताधिकार पर हमला

डीएमके नेता एमके स्टालिन की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (ैप्त्) के दूसरे चरण को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने का प्रस्ताव पारित किया गया। स्टालिन ने इस प्रक्रिया को लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने का प्रयास बताया,

नयी दिल्ली02 नवम्बर (एजेंसी)तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और डीएमके नेता एमके स्टालिन द्वारा रविवार को बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में तमिलनाडु सहित 12 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण के दूसरे चरण के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का फैसला किया गया। एक पोस्ट साझा करते हुए, एमके स्टालिन ने इस प्रस्ताव की घोषणा की और आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के पीछे का उद्देश्य लोगों के मताधिकार को छीनना है। उन्होंने लिखा कि तमिलनाडु के लोगों के मताधिकार को छीनने और लोकतंत्र की हत्या करने के इरादे से जल्दबाजी में लागू किए जा रहे एसआईआर के खिलाफ एकजुट होकर आवाज उठाना सभी दलों का कर्तव्य है।एमके स्टालिन ने आगे कहा, ष्मतदाता सूची संशोधन में भ्रम और शंकाओं के संबंध में– चूँकि हमारी माँग थी कि ये संशोधन 2026 के आम चुनावों के बाद पर्याप्त समय पर और बिना किसी समस्या के किए जाएँ, चुनाव आयोग द्वारा स्वीकार नहीं की गई है, इसलिए हमने आज की सर्वदलीय बैठक में सर्वोच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाने का प्रस्ताव पारित किया है।ष स्टालिन ने बैठक में भाग लेने वाले 49 दलों को ष्लोकतंत्र की रक्षाष के लिए धन्यवाद भी दिया। ग पोस्ट में लिखा था कि मैं सर्वदलीय बैठक में भाग लेने वाले और अपनी भावनाएँ व्यक्त करने वाले 49 दलों के नेताओं का आभार व्यक्त करता हूँ। मैं उन लोगों से अनुरोध करता हूँ जिन्होंने इस बैठक में भाग नहीं लिया है कि वे अपनी पार्टियों में ैप्त् पर चर्चा करें और लोकतंत्र की रक्षा के लिए पहल करें।डीएमके नेता आरएस भारती ने एसआईआर को ष्अप्रत्यक्ष रूप सेष राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर (एनआरसी) लागू करने की कवायद बताया। उन्होंने कहा, ष्हम इसका विरोध इसलिए कर रहे हैं क्योंकि इसे किसी छिपे हुए इरादे से लागू किया जा रहा है। यह एसआईआर नहीं है। यह अप्रत्यक्ष रूप से एनआरसी में शामिल होने जैसा है। हम सुप्रीम कोर्ट जा रहे हैं।ष बैठक में शामिल न होने वाले दलों पर निशाना साधते हुए भारती ने उन्हें ष्भाजपा का गठबंधनष बताया। उन्होंने कहा, ष्हमें उनकी परवाह नहीं है। वे सभी भाजपा गठबंधन में हैं। इसलिए वे नहीं आए।ष

बिहार में जंगल राज नहीं लौटने देंगे, एनडहए पांडवों की तरह लड़ेगा: अमित शाह की हुंकार

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाजीपुर में एनडीए को श्पाँच पांडवोंश से तुलना करते हुए श्जंगल राजश की वापसी रोकने का संकल्प जताया। उन्होने पीएम मोदी और नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही बिहार को सुरक्षित व समृद्ध रखने का दावा किया, जबकि विपक्ष की एकता और शासन क्षमता पर गंभीर सवाल उठाए।

नयी दिल्ली02 नवम्बर (एजेंसी) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को बिहार के हाजीपुर में आगामी चुनावों के लिए एनडीए के अभियान के तहत एक रैली को संबोधित किया। शाह ने एनडीए गठबंधन की ताकत पर जोर दिया और इसकी तुलना पाँच पांडवों से की और कहा कि यह गठबंधन राज्य में ष्जंगल राजष की वापसी को रोकने के लिए दृढ़ संकल्पित है। शाह ने एनडीए गठबंधन की एकता और मजबूती पर प्रकाश डाला, जिसमें भाजपा, जद(यू), चिराग पासवान की पार्टी और अन्य शामिल हैं।शाह ने कहा कि बिहार के चुनावों में, एनडीए का गठबंधन, पाँच पांडवों की तरह, पूरी ताकत के साथ चुनावी समर में उतरा है। भारतीय जनता पार्टी, जद(यू), चिराग पासवान की लोजपा (रामविलास) पार्टी, जीतन राम मांझी की हम पार्टी और उपेंद्र कुशवाहा की राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलएम) पार्टी एकजुट हैं और जंगल राज को रोकने के लिए दृढ़ हैं। हमारे सामने जितनी भी पार्टियाँ हैं, सभी के बीच लड़ाई चल रही है। उन्होंने विपक्ष की बिहार को एकजुट रखने की क्षमता पर सवाल उठाया, जब वे अपने ही गठबंधन के भीतर एकता बनाए नहीं रख सकते। शाह ने विपक्ष पर ष्जंगल राजष के दिनों को वापस लाने की चाहत रखने का आरोप लगाया और जोर देकर कहा कि केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही बिहार को एक समृद्ध राज्य बना सकते हैं।शाह ने कहा कि जो गठबंधन एकजुट नहीं है, क्या वह गठबंधन बिहार को एकजुट रख सकता है? बिहार को एकजुट, सुरक्षित और समृद्ध रखना केवल नीतीश जी और मोदी, भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व से ही संभव है। भाइयों और बहनों, हाजीपुर स्वर्गीय रामविलास पासवान जी की कर्मभूमि थी। 1977 में, हाजीपुर से रामविलास पासवान सांसद बने, और उन्होंने जीत का जो कीर्तिमान स्थापित किया, वह अपतटीय काल तक अटूट रहा। कोई नहीं। शाह ने बिहार के लोगों से एनडीए गठबंधन का समर्थन करने और राज्य के विकास एवं समृद्धि को सुनिश्चित करने का आग्रह किया। उन्होंने राज्य की प्रगति के प्रति गठबंधन की प्रतिबद्धता और ष्जंगल राजष की वापसी को रोकने के उसके दृढ़ संकल्प पर प्रकाश डाला।शाह ने बिहार के लिए कई विकास परियोजनाओं की घोषणा की, जिनमें महुआ में एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना और 1243 एकड़ में एक बड़ा औद्योगिक पार्क शामिल है, जिससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा।शाह ने राज्य में विभिन्न बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं पर प्रकाश डाला, जिनमें कच्ची दरगाह, बिदुपुर में छह लेन का गंगा पुलय गांधी सेतु का पुनर्निर्माणय बेतिया–पटना राजमार्गय गंडक नदी पर पुलय अमाश दरभंगा एक्सप्रेसवे, जो वैशाली जिले से होकर गुजरेगा और वैशाली तक वंदे भारत ट्रेन सेवा शामिल है।

दिल्ली में महिलाओं-ट्रांसजेंडर के लिए पिंक सहेली स्मार्ट कार्ड, लान्च, मुफ्त बस यात्रा का तोहफा

दिल्ली सरकार ने महिलाओं और ट्रांसजेंडर यात्रियों के लिए डीटीसी बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान करने हेतु श्पिंक सहेली स्मार्ट कार्डश लश्न्च किया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता द्वारा घोषित यह सामाजिक पहल 12 वर्ष से अधिक आयु की सभी महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को राजधानी भर में सुविधाजनक यात्रा का अवसर प्रदान करेगी। इसका उद्देश्य सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देना और नारी शक्तिको सशक्तकर समावेशी गतिशीलता सुनिश्चित करना है।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सरकार ने रविवार को श्पिंक सहेली स्मार्ट कार्डश की शुरुआत की। यह एक विशेष पहल है जिसका उद्देश्य दिल्ली परिवहन निगम (डीटीसी) और क्लस्टर बसों में महिलाओं और ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा प्रदान करना है। इस नई योजना के तहत, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ अब राजधानी भर में मुफ्त यात्रा का आनंद ले सकेंगी। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक्स पोस्ट पर यह घोषणा की।सीएम गुप्ता ने एक्स पर कहा कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं और ट्रांसजेंडरों के लिए श्पिंक सहेली स्मार्ट कार्डश लॉन्च किया है। अब, 12 वर्ष से अधिक आयु की बेटियाँ, बहनें और माताएँ डीटीसी और क्लस्टर बसों में मुफ्त और सुविधाजनक यात्रा कर सकेंगी। पोस्ट में आगे लिखा गया है कि यह पहल दिल्ली में महिलाओं के लिए यात्रा को आसान बनाने, सार्वजनिक परिवहन के उपयोग को बढ़ावा देने और नारी शक्ति को अधिक सुविधाएँ और सम्मान प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।इससे पहले, दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शुक्रवार को घोषणा की कि दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के दूरदर्शी नेतृत्व में शहर के गैर–अनुरूप क्षेत्रों में संचालित निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूलों को मान्यता देने का एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। एक विज्ञप्ति के अनुसार, यह एक लंबे समय से लंबित सुधार है जो शहर भर के हजारों बच्चों के लिए शिक्षा के संवैधानिक अधिकार को बहाल करता है। इस निर्णय के अनुसार, सभी निजी गैर–सहायता प्राप्त स्कूल जो लंबे समय से गैर–अनुरूप क्षेत्रों में संचालित हो रहे हैं, लेकिन अभी तक शिक्षा निदेशालय से मान्यता प्राप्त नहीं कर पाए हैं, या तो प्रक्रियात्मक कारणों से या पिछली सरकारों के भेदभावपूर्ण दृष्टिकोण के कारण, अब दिल्ली सरकार के शिक्षा निदेशालय से मान्यता के लिए।

सम्पादकीय

तेजप्रताप यादव को मिला मां का समर्थन

बिहार की राजनीति में इन दिनों भोजपुरी गायक–अभिनेता और राष्ट्रीय जनता दल के उम्मीदवार खेसारी लाल यादव पर टिप्पणी का सिलसिला जारी है। मैं नफीस जाफरी आपको यह बता दूं कि बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के बाद अब जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने खेसारी लाल के नौकरी देने के वादे पर तंज कसा है। तेज प्रताप यादव ने खेसारी लाल यादव के उस वादे पर चुटकी ली, जिसमें खेसारी ने महागठबंधन के सत्ता में आने पर कम से कम 50 लाख नौकरियां देने की बात कही थी। तेज प्रताप ने हंसते हुए कहा, खेसारी लाल कौन सी नौकरी देंगे? नाचने वाला (नाचने वाली नौकरी)? यह टिप्पणी बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी द्वारा भोजपुरी गायक को नचनिया कहे जाने के बाद आई है, जिससे यह मुद्दा अब बिहार की सियासत में चर्चा का केंद्र बन गया है। दरअसल, खेसारी लाल ने ने एक इंटरव्यू में महागठबंधन के रोजगार के वादे का बचाव किया था। राजद की ओर से 2 करोड़ नौकरियां देने के वादे पर उन्होंने कहा, अगर हम 2 करोड़ नौकरियां नहीं देंगे, तो कम से कम 50 लाख नौकरियां तो देंगे। कम से कम हमारे नेता रोजगार देने की बात तो कर रहे हैं। एनडीए सरकार तो वादा भी नहीं करती; वह केवल जंगल राज की बात करती है। महागठबंधन ने सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर कानून पारित कर राज्य में हर परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने का वादा किया है। जिसको लेकर जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने खेसारी लाल पर तंज कसा।

नफीस जाफरी

जहां तक जनशक्ति जनता दल के प्रमुख तेज प्रताप यादव का सवाल है तो मालूम हो कि बिहार चुनाव की तारीखों के नजदीक आते ही राजनीतिक पार्टियों के बीच एक दूसरे पर बयानबाजी का दौर और तेज हो गया है। इस बार का बिहार चुनाव एनडीए और महागठबंधन की लड़ाई के साथ–साथ कुछ नई पार्टियों की वजह से भी बेहद खास है। कहा जा रहा है कि इस बार के चुनाव के बाद सरकार बनाने में ये नई पार्टियां भी एक बड़ा रोल अदा कर सकती है। चाहे बात जनसुराज पार्टी की करें या फिर राजद से अलग होकर अपने नेतृत्व में नई पार्टी बनाने वाले तेजप्रताप यादव की जनशक्ति जनता दल पार्टी की। तेजप्रताप यादव इस चुनाव में बेहतरीन प्रदर्शन करने का दावा कर रहे हैं। तेजप्रताप यादव के राजद से अलग होने और अपनी अलग पार्टी बनाकर चुनाव लड़ने पर उनकी मां राबड़ी देवी ने भी पहली बार प्रतिक्रिया दी है। एक चुनावी सभा में जाने के दौरान जब उनसे बड़े बेटे तेजप्रताप यादव और उनके चुनाव लड़ने के फैसले के बारे में पूछा गया तो राबड़ी देवी ने कहा कि ठीक है अलग लड़ रहा है। वो भी अपने जगह पर ठीक है। आपको बता दें कि राजद से अलग होकर अपनी पार्टी बनाने के बाद से ही तेजप्रताप यादव और उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच संबंध कुछ ठीक नहीं है। कुछ दिन पहले बिहार चुनाव तेजप्रताप यादव ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव को लेकर एक बड़ा बयान दिया था। तेजप्रताप यादव ने कहा कि जननायक तो लोहिया जी हैं, कर्पूरी जी हैं, लालू यादव जी हैं, बड़े बड़े लीडर लोग जननायक हैं। तेजस्वी यादव जन नायक नहीं हो सकते। क्योंकि वो अपने बलबूते नहीं है। वो हमारे पिता जी के बलबूते हैं। जब वह अपने बलबूते होंगे तो हम उन्हें जननायक मानेंगे। उनका ये बयान तेजस्वी यादव के उस पोस्टर को लेकर पूछे गए सवाल के बाद आया है, जिस पोस्टर में तेजस्वी यादव को बिहार का नायक बताया गया है।

ट्रेन की बोगियों में घुसने स्टेशनों पर धक्कामुक्की

देश के अलग अलग हिस्सों से मीडिया और सोशल मीडिया में तस्वीरें आ रही है कि कैसे बिहार के लोग ट्रेन की बोगियों में घुसने के लिए स्टेशनों पर ध क्कामुक्की कर रहे है। कैसे गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के स्टेशनों के बाहर लंबी लंबी कतारों में घंटों खड़े रह रहे हैं और उसके बाद भी ट्रेनों में भेड़ बकरियों की तरह ठूंस कर जा रहे हैं। अपने माता पिता के साथ बाथरूम के सामने खड़े होकर यात्रा कर रही एक छोटी सी बच्ची की ऐसी हृदयविदारक तस्वीर अखबारों में छपी, जिसे देख कर पीड़ा और क्रोध का सहज मनोभाव उमड़ आए। यह सिर्फ इस बार की घटना नहीं है। हर बार होली, दिवाली और छठ पर इस तरह की तस्वीरें आती हैं। कोरोना की महामारी में पूरे देश ने आजादी के बाद पलायन की सबसे बड़ी त्रासदी की तस्वीरें देखीं। तपती धूप में बच्चों को कं ो पर लिए लोग पैदल चले जा रहे थे। आदमियों की कतारें चींटियों की कतारों से बेहतर नहीं थीं, जो अनायास पैरों तले कुचल जाती है।

इन तस्वीरों से दो सवाल उठते हैं। पहला, तात्कालिक और दूसरा दीर्घकालिक है। तात्कालिक सवाल तो यह है कि ऐसा क्या है, जो भारत की सर्व शक्तिशाली सरकार, कुछ लाख लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा सकती है? याद करें कैसे कुछ महीने पहले ऐलान किया गया था कि इस बार त्योहारों के समय 12 हजार विशेष ट्रेनें चलेंगी। सोचें यह कितनी बड़ी संख्या है? अगर यह मान लिया जाए कि ट्रेनें कम होंगी और उनके फेरे 12 हजार होंगे तब भी यह संख्या बहुत बड़ी है। बिहार, झारखंड और पूर्वी उत्तर प्रदेश के प्रवासियों की संख्या निश्चित रूप से बड़ी है लेकिन अब तो बहुत बड़ी आबादी त्योहार मनाने लौट नहीं रही है। लोग जहां हैं वही त्योहार मना रहे हैं तभी दिल्ली में यमुना के किनारे या देश के दूसरे शहरों में नदियों के किनारे हर साल छठ करने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है।

फिर भी जितने लोग लौटना चाहते हैं कमी भी सरकारें उनके लिए सुविध ाजनक व्यवस्था नहीं कर पाती है। उनको टिकट लेकर यात्रा करनी है। वे पैसे चुकाने को तैयार हैं और दूसरी ओर सरकारें भी सुविधा देने के वादे कर रही हैं फिर भी लोग जानवरों की तरह ट्रेनों बसों में लद कर जाते हैं! जाहिर है कि सरकार के दावे, तैयारियों और वास्तविकता में मिसमैच है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव पिछले 10 दिन में कम से कम दो बार नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं का जायजा लेने पहुंचे। लेकिन क्या सुविधा मुहैया कराई गई? स्टेशन पर आधुनिक होल्डिंग एरिया बना दिया गया है, जहां लोगों को रोक कर रखा जाता है। इसका मकसद यह है कि जैसे कुछ समय पहले स्टेशन पर भगदड़ हुई थी वैसी भगदड़ न हो।

सरकार को सिर्फ भगदड़ की चिंता है क्योंकि उससे इमेज खराब होती है। बाकी लोग भेड़ बकरियों की तरह लद कर जा रहे हैं स्टेशनों पर रात बिता रहे हैं स्टेशनों के बाहर लंबी कतारों में खड़े हैं उससे कोई फर्क नहीं पड़ता! अगर सचमुच 12 हजार ट्रेनें चला दी जाएं और एक करोड़ लोग भी दिवाली, छठ के लिए यात्रा करने वाले हों तब भी बड़े आराम से इसे मैनेज किया जा सकता है। हर दिन दो करोड़ से ज्यादा यात्रियों को ढोने वाली भारतीय रेल के जरिए सरकार 10 दिन से ज्यादा की अवधि में करीब एक करोड़ लोगों को सुविधा के साथ उनके गंतव्य तक नहीं पहुंचा पाती है!

दूसरा दीर्घकालिक सवाल यह है बिहार में सरकार इस स्थिति को बदलने के लिए कोई ठोस उपाय क्यों नहीं कर पाती है? इसमें कोई संदेह नहीं है कि 1990 से 2005 के बीच जिन कारणों से पलायन हुआ वो कारण अब मौजूद नहीं है। अब लोग भय से पलायन नहीं कर रहे हैं। क्लासिकल परिभाषा के हिसाब से देखें तो अब पलायन नहीं प्रवासन हो रहा है। प्रवासन सदियों से हो रहा है और दुनिया के हर हिस्से में होता है। इसका मतलब होता बेहतर अवसर की तलाश में दूसरी जगह जाना। लेकिन बिहार में लोग बेहतर अवसर की तलाश में नहीं जाते हैं बल्कि किसी तरह के अवसर की तलाश में जाते हैं। बिहार में 20 साल से एक ही नेता नीतीश कुमार की सरकार है लेकिन वे रोजी, रोजगार के ऐसे अवसर नहीं पैदा कर सके कि लोगों को साधारण सी नौकरी या साधारण से रोजगार के लिए बिहार छोड़ कर न जाना पड़े।

महिलाओं के वोट चाहिए, लेकिन उम्मीदवार बनाने में किया संकोच

गुलफिशा खान

बिहार विधानसभा के चुनाव में सिर्फ बाहुबली ही नहीं, बल्कि बिहार विधानसभा के चुनाव में दो आईपीएस सियासी समर में कूदे हैं। एक हैं शिवदीप डब्लू लांडे जो मुंगेर जिले के जमालपुर से निर्दलीय चुनाव मैदान में हैं। दूसरे हैं आनंद मिश्रा, जो बक्सर विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी हैं। शिवदीप लांडे और आनंद मिश्रा के बीच तीन बड़ी समानता है। पहला कि दोनों अधिकारी की पहचान सुपर कॉप, दबंग और सिंघम के रूप में रही है। शिवदीप लांडे को बिहार का सिंघम, जबकि आनंद मिश्रा को असम का सिंघम कहा जाता रहा है। दूसरी बड़ी समानता है कि आइपीएस की नौकरी से इस्तीफा देकर सियासत में इंट्री मारे हैं। तीसरी बड़ी समानता है कि दोनों की पत्नी बिजनेस वूमेन हैं। वहीं अगर इस सबके बीच बिहार विधानसभा चुनावों में महिला उम्मीदवारों की अगर बात करें तो बिहार चुनाव की तारीख जैसे–जैसे करीब आ रही है वैसे–वैसे चुनावी सरगर्मी बढ़ने लगी है। सभी राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को लुभाने में जुटे हैं, लेकिन महिला उम्मीदवारों को टिकट देने में पीछे रह गए हैं। इस बार कुल 258 महिलाएं चुनाव मैदान में हैं, जबकि 2,357 पुरुष उम्मीदवार मैदान में उतर रहे हैं। चुनाव में अब सिर्फ 2 दिन बचे हैं, और महिला मतदाता खासकर एनडीए के लिए अहम

माने जा रहे हैं। राज्य सरकार ने महिलाओं के लिए कई कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत 1. 25 करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में ध10,000 की राशि भेजी गई है। हर घर को अब 125 यूनिट मुत बिजली मिल रही है, जबकि सामाजिक सुरक्षा पेंशन ध400 से बढ़ाकर ध1,100 कर दी गई है, जिससे 1.12 करोड़ परिवारों को लाभ मिला है। पुलिस भर्ती में महिलाओं के लिए 35 प्रतिशत आरक्षण और पंचायत एवं स्थानीय निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण ने उन्हें निर्णय लेने की प्रक्रिया के केंद्र में ला दिया है। जीविका दीदियों को कम ब्याज पर ऋण, आशा और ममता कार्यकर्ताओं के भत्ते में बढ़ोतरी, और रोजगार योजनाओं में प्राथमिकता ने महिलाओं के बीच एनडीए की पकड़ और मजबूत की है।

वहीं, दूसरी ओर, महागठबंधन ने सभी संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों को नियमित करने और सभी जीविका समूह की महिलाओं को ध30,000 मासिक वेतन पर स्थायी सरकारी कर्मचारी बनाने का वादा किया है। इसके साथ ही, उनके घोषणा पत्र में "माई–बहिन मान योजना" शामिल है, जिसके तहत महिलाओं को 1 दिसंबर से पांच वर्षों तक हर महीने ध2,500 दिए जाएंगे। सभी दल महिलाओं के लिए योजनाओं की घोषणाएं कर रहे हैं और उन्हें लुभाने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन जब महिला उम्मीदवारों की कम संख्या पर सवाल पूछा जाता है, तो सभी का एक ही जवाब होता है "विनेबिलिटी"।

इस चुनाव में भाजपा ने 13, कांग्रेस ने 5, जदयू ने 13, राजद ने 23, जन सुराज ने 25 और बसपा ने 26 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है। पिछली विधानसभा चुनाव में 370 महिला उम्मीदवारों में से 26 महिलाएं जीती थीं यानी 7 प्रतिशत सफलता दर, जबकि पुरुष उम्मीदवारों की जीत दर लगभग 10 प्रतिशत रही। आंकड़े बताते हैं कि अधिकांश दलों में महिला प्रतिनिधित्व में गिरावट का रुझान है। जदयू ने 2020 में 22 महिला उम्मीदवारों के साथ चरम पर पहुंचकर इस बार गिरावट दर्ज की है। वहीं, राजद ने लगातार सुधार दिखाया है 2015 में 9 महिला उम्मीदवारों से बढ़कर 2025 में 23 तक पहुंच गई। प्रशांत किशोर की जन सुराज पार्टी ने इस बार सबसे अधिक 25 महिला उम्मीदवारों को टिकट देकर दमदार एंट्री की है। भाजपा ने पिछले तीनों चुनावों में लगभग समान स्तर बनाए रखा, जबकि सीपीआई(एमएल) ने 2015 के बाद बड़ी गिरावट दर्ज की है। कांग्रेस का रुझान भी लगातार नीचे जा रहा है। 2020 विधानसभा चुनाव में भाजपा की महिला उम्मीदवारों की 69 प्रतिशत सफलता दर रही 13 में से 9 ने जीत दर्ज की। इसके बाद राजद की 44प्रतिशत, कांग्रेस की 29 प्रतिशत और जदयू की 27 प्रतिशत सफलता दर रही।

सरफ़राज़को नज़रअंदाज़ किए जाने पर थरूर ने चयनकर्ताओं को दी नसीहत

राजनीति में अपने बेबाक अंदाज के लिए मशहूर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं केरल की राजध ानी तिरुवनंतपुरम से पार्टी के सांसद शशि थरूर के बारे में शायद बहुत कम लोगों को मालूम होगा कि वे एक क्रिकेट प्रेमी भी हैं। और यही कारण है कि कांग्रेस के वरिष्ठ नेता शशि थरूर ने मुंबई के बल्लेबाज सरफराज खान को हाल ही में भारत ए टीम में चयन के लिए नजरअंदाज किए जाने पर 'निराशा' व्यक्त करते हुए कहा कि चयनकर्ताओं को केवल आईपीएल में ही नहीं, बल्कि घरेलू क्रिकेट में बनाए गए रनों को भी महत्व देना चाहिए। क्रिकेट प्रेमी थरूर ने यह भी कहा कि चयनकर्ता 'क्षमता' पर दांव लगाने के लिए अपनी प्रतिभा सिद्ध कर चुके खिलाड़ियों को नजरअंदाज करने में बहुत जल्दबाजी करते हैं। कांग्रेस नेता ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ भारत ए श्रृंखला के लिए सरफराज को नजरअंदाज किए जाने पर निराशा जताते हुए एक पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए एक्स पर

कहा,'यह साफ तौर पर अपमानजनक है। सरफराज खान का प्रथम श्रेणी क्रिकेट में औसत 65 से अधिक है। उन्होंने टेस्ट पदार्पण पर 50 रन बनाए और एक टेस्ट में 150 रन की पारी खेली है। उन्होंने इंग्लैंड में दौरे के अपने एकमात्र (अभ्यास) मैच में 92 रन बनाए और फिर भी वह चयनकर्ताओं के 'संदर्भ के दायरे' से बाहर है।

उन्होंने कहा, 'मैं अजिंक्य रहाणे, पृथ्वी शॉ और करुण नायर को रणजी ट्रॉफी में रन बनाते देखकर भी बहुत खुश हूं। हमारे चयनकर्ता 'संभावितश खिलाड़ियों पर दांव लगाने के लिए सिद्ध प्रतिभाओं को नजरअंदाज करने में बहुत जल्दी करते हैं। तिरुवनंतपुरम के सांसद शशि थरूर ने कहा कि ये ऐसे खिलाड़ी हैं जिन्होंने बार–बार खुद को साबित किया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हैरानी जताते हुए कहा, 'चयनकर्ताओं को सिर्फ आईपीएल ही नहीं, बल्कि घरेलू क्रिकेट में बनाए गए रनों को भी महत्व देना चाहिए, वरना कोई रणजी खेलने की जहमत क्यों उठाएगा।

वहीं इससे पूर्व सरफराज को भारत ए टीम में न चुने जाने की ऑनलाइन तीखी आलोचना हुई थी और यह एक राजनीतिक मुद्दा भी बन गया था जब कांग्रेस प्रवक्ता शमा मोहम्मद ने यह पूछकर विवाद खड़ा कर दिया था कि क्या मुंबई के इस बल्लेबाज को 'उनके उपनाम' की वजह से नहीं चुना गया। सरफराज ने 2023–24 सत्र में राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। वह पिछले साल के अंत में भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे का हिस्सा थे, लेकिन तब से उन्हें टेस्ट टीम में जगह नहीं मिली है। इस 28 साल के खिलाड़ी ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेलें हैं जिसमें उनका पिछला टेस्ट न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई में था। वैसे यहां पर यह बता दे कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारतीय ए टीम में सरफराज खान के न जाने चुने पर कांग्रेस प्रवक्ता शमा खान ही नहीं बल्कि एआइएमआईएम के प्रमुख और हैदराबाद के सांसद असद औवेसी और महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पार्टी विधायक अबु आसिम आजमी भी मुखर हुए थे।

बिहार में 32 फीसद दागी प्रत्याशी

यह लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है कि जन प्रतिनिधि बनने के लिए बड़ी संख्या में ऐसे लोग सीना तान कर खड़े हैं जिन पर हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध के गंभीर आरोप हैं। इस बार बिहार के विधानसभा चुनाव से पहले ही माफियाओं के बीच खूनी संघर्ष शुरू हो गया है। मोकामा में जनसुराज पार्टी के समर्थक और पूर्व में माफिया रहे दुलारचंद यादव की हत्या इसका ज्वलंत उदाहरण है। हमारे संविधान में भी ऐसी कोई व्यवस्था नहीं है कि जिन लोगों पर गंभीर अपराध के आरोप हैं उनको चुनाव लड़ने से रोका जा सके। केन्द्र में सरकार भी इस तरह का कानून बनाने से हिचकती है क्योंकि दागी प्रत्याशी अगर चुनाव जीतने में समर्थ हैं तो उन्हें टिकट देने में किसी को संकोच नहीं होता। यही कारण है कि मौजूदा समय में जब बिहार में विधानसभा के चुनाव होने जा रहे हैं तब 32 फीसद उम्मीदवार ऐसे हैं जिनके खिलाफ गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। यह आकलन एसोसिएशन फार डेमोक्रेटिक रिफार्मर्स (एडीआर) और बिहार इलेक्शन वाच (बीआईडब्ल्यू) का है। समाज में जितना कम अपराध होता है, उतना ही समाज अच्छा माना जाता है। कल्पना कीजिए कि जब जनप्रतिनधि ही गंभीर अपराधों में आरोपी हैं और उन्हें कड़ी सजा भी मिल सकती है तो उन्हें चुनाव लड़ने से ही क्यों न रोका जाए। देश की सबसे बड़ी अदालत अर्थात सुप्रीम कोर्ट और खुद चुनाव आयोग भी इस तरह की सिफारिश कर चुका है लेकिन कानून बनाना तो सरकार के अधिकार क्षेत्र में आता है। जनता में अभी इतनी जागरूकता नहीं है कि वो जेन जी जैसा आंदोलन चलाकर सरकार को इसके लिए मजबूर कर सके। सच्चाई यह है कि सबसे ज्यादा अपराधी ही राजनीति कर रहे हैं अथवा अपराधियों को प्रश्रय दे रहे हैं। यह शर्मनाक अध याय हाल–फिलहाल तो खत्म होता नहीं दिख रहा है।

बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में 6 और 11 नवंबर को होने हैं और मतगणना 14 नवंबर को होगी। मतदान से पहले एडीआर और बिहार इलेक्शन वॉच की एक रिपोर्ट से पता चलता है कि इस बार चुनाव लड़ रहे 32 प्रतिशत उम्मीदवारों के खिलाफ आपराधिक मामले चल रहे हैं, जिनमें से 27 प्रतिशत पर हत्या और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप हैं। एडीआर की रिपोर्ट में उम्मीदवारों ने अपनी संपत्ति का भी खुलासा किया है जो उम्मीदवारों की बढ़ती संपत्ति की ओर भी इशारा करती है, जिसके मुताबिक इनमें से 519 (40फीसद) करोड़पति हैं, जिनकी औसत संपत्ति 3.26 करोड़ रुपये है। इस तरह से देखें तो एडीआर और बिहार इलेक्शन वॉच ने इस बार बिहार विधानसभा चुनावों में उम्मीदवारों की आपराधिक और वित्तीय पृष्ठभूमि के बारे में चौंकाने वाले आंकड़े उजागर किए हैं। उम्मीदवारों द्वारा दायर 1,314 हलफनामों में से 1,303 के विश्लेषण के आधार पर, रिपोर्ट में पाया गया कि 423 उम्मीदवारों (32 प्रतिशत) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं, जबकि 354 (27 प्रतिशत) पर गंभीर आपराधिक आरोप हैं। इनमें 33 हत्या के मामलों में, 86 हत्या के प्रयास के मामलों में, और 42 महिलाओं के खिलाफ अपराधों से संबंधित आरोपों का सामना कर रहे हैं। उल्लेखनीय रूप से, दो उम्मीदवारों ने अपने हलफनामों में बलात्कार के आरोपों की घोषणा की है। पार्टीवार आंकड़े देखें तो पता चलता है कि भाकपा और माकपा, दोनों पार्टियों के पांच–पांच उम्मीदवारों पर (100 फीसद) आपराधिक मामले चल रहे हैं। प्रमुख दलों में, भाकपा (माले) के 14 में से 13 (93 प्रतिशत), राजद के 70 में से 53 (76 प्रतिशत), भाजपा के 48 में से 31 (65 प्रतिशत), कांग्रेस के 23 में से 15 (65 प्रतिशत), लोजपा (रामविलास) के 13 में से 7 (54 प्रतिशत), और जदयू के 57 में से 22 (39 प्रतिशत) उम्मीदवारों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसकी तुलना में, आम आदमी पार्टी के 44 में से 12 (27 प्रतिशत), बसपा के 89 में से 18 (20 प्रतिशत), जबकि जन सुराज पार्टी के 114 में से 50 (44 प्रतिशत) उम्मीदवारों ने आपराधि ाक मामले घोषित किए हैं। इस बार चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों की शैक्षणिक योग्यता की बात करें तो शैक्षिक रूप से, 519 उम्मीदवारों (40 प्रतिशत) ने कक्षा 5 और कक्षा 12 के बीच अपनी योग्यता घोषित की है, जबकि 651 उम्मीदवारों (50 प्रतिशत) के पास स्नातक या उच्चतर शैक्षणिक डिग्री है।

राजनीति में अपराधी और इस माध्यम से उसका अपराधीकरण बहुत लंबे समय से होता आ रहा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने राजनीति में पैठ चुकी इस कुरूपता पर चिंता व्यक्त की है। मतदाताओं की अच्छी समझ, लोकतंत्र की अंतिम संरक्षक होती है। फिर हम क्यों नहीं समझ पा रहे हैं कि संस्थागत सुधार के माध्यम से राजनीति को अपराध और अपराधि ायों से छुटकारा मिल सकता है। राजनीति में जनता द्वारा किया जाने वाला त्वरित अभियोजन वास्तविक अपराधियों को रोक सकता है, और झूठे मामलों का सामना करने वालों की रक्षा कर सकता है।

विधायिकाओं में निर्वाचित प्रतिनिधि जनता का प्रतिनिधित्व करते हैं। कानून बनाने वाले इन प्रतिनिधि ायों पर मुकदमा चलाए जाने में कोई भेदभाव नहीं होना चाहिए। ज्ञातव्य हो कि 2017 में सर्वोच्च न्यायालय ने जनप्रतिनिधियों के खिलाफ मामलों के त्वरित निस्तारण हेतु विशेष अदालतों के गठन का आदेश दिया था। यह एक ऐसी अदालत है, जो कानून के किसी विशेष क्षेत्र से संबंधित होती है लेकिन राजनीतिक दलों की अनिच्छा के चलते अभी तक इसका लाभ नहीं लिया जा सका है। सबसे पहला और आश्चर्यजनक तथ्य जेल से चुनाव लड़ने का अधिकार है। अगर अपराधी लोग चुनाव लड़ सकते हैं, तो फिर देश के सभी कैदियों को मतदान का अधिकार दे दिया जाना चाहिए। पिछले दिनों उच्चतम न्यायालय ने आठ राजनीतिक दलों पर इसलिए जुर्माना लगाया था कि उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव में अपने उम्मीदवारों के आपराधिक ब्यौरे सार्वजनिक करने के उच्चतम न्यायालय के आदेश का पालन नहीं किया था। आज तक किसी भी दल ने इस विषय पर कोई गंभीर विचार नहीं किया। बल्कि सर्वदलीय बैठक में उच्चतम न्यायालय का एक स्वर में विरोध किया गया।

राजनीति में अपराधियों की पैठ का नमूना हमें 2019 की सत्रहवीं लोकसभा में चुनकर आए कुल सांसदों में से 233 के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने में मिलता है। इनमें से 159 के विरूद्ध गंभीर प्रकृति के मामले थे। राजनीति में अपराधियों के प्रवेश को रोकने के लिए चुनाव आयोग ने अक्टूबर, 2018 में प्रत्याशियों के लिए पूरे चुनाव के दौरान कम–से–कम तीन बार टेलीविजन और अखबारों में अपने आपराधिक ब्योरों का विज्ञापन करना अनिवार्य कर दिया था परंतु राजनीतिक दलों ने अपनी ओर से सुधार का कोई प्रयत्न नहीं किया है। उल्टे, जनप्रतिनिधि ित्व अधिनियम 1951 में नया प्रावध ाान जोड़ते हुए राजनीतिक दलों ने अपराधियों के चुनाव लड़ने का रास्ता सुगम कर दिया। पहले प्रावधान में हिरासत में होने के कारण मतदान से रोके जाने पर भी अगर व्यक्ति का नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तो उसे चुनाव लड़ने से रोका नहीं जा सकता। दूसरे, किसी सांसद और विध ायक को तभी अयोग्य माना जाए, जब उसे इस अधिनियम के तहत अयोग्य ठहराया जाए, किसी अन्य आधार पर नहीं।

उम्मीदवारों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता निर्धारित हो। उन्हें पंचायत व निकाय चुनावों का अनुभव हो। न्यायालय द्वारा दोषी सिद्ध व्यक्ति को टिकट देने वाले राजनीतिक दल पर जुर्माना लगाया जाए। सरकारी खर्च पर चुनाव कराया जाए। (इंद्रजीत गुप्ता समिति की सिफारिश) चुनावी ब्यौरे में धोखाधड़ी पर प्रत्याशी को आजीवन प्रतिबंधित किया जाए। जनता को 'राइट टू रिकॉल' का अधिकार मिले। इन सुधारों में जनता की भागीदारी होनी चाहिए।

दो मोर्चे पर लड़ रहे सुक्खू

इसे राजनीति की विडम्बना ही कहा जाएगा कि अक्सर केन्द्र से इतर राज्य सरकार की वहां के राज्यपाल से तनातनी ही चलती रहती है। केन्द्र शासित प्रदेश में तो उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री हर समय अपने–अपने हाथों में तलवार थामे रहते हैं। हालांकि अब कुछ ही राज्य हैं जहां भाजपा अथवा उसके गठबंधन की सरकार नहीं है लेकिन जहां गैर भाजाई सरकारें हैं वहां के मुख्यमंत्री और राज्यपाल किसी न किसी बात पर उलझ ही जाते हैं। हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। सुखवीर सिंह सुक्खू मुख्यमंत्री हैं। वहां शिवप्रताप शुक्ल राज्यपाल हैं। राज्यपाल विश्वविद्यालयों के कुलाधि ापति होते है। इसलिए वहां के एक कृषि विश्वविद्यालय में वाइस चांसलर की नियुक्ति को लेकर मुख्यमंत्री सुक्खू और राज्यपाल शिवप्रताप शुक्ल में ठन गयी है। इसी तरह वहां की सरकार भूमि राजस्व अधिनियम 1972 की धारा 118 को सरल बनाना चाहती है। विपक्षी दल भाजपा के साथ कांग्रेस की सहयोगी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा) ने भी इसका विरोध करना शुरू कर दिया है। इस तरह मुख्यमंत्री सुखवीर सिंह सुक्खू दो मोर्चों पर एक साथ लड़ रहे हैं।

हिमाचल प्रदेश में कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति की नियुक्ति को लेकर राजभवन और राज्य सरकार आमने–सामने हैं। अब इस मामले पर राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने बड़ा बयान दिया है। राज्यपाल ने कहा कि वीसी की नियुक्ति नियमों के मुताबिक ही होगी, इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट से जो फैसला आएगा वो मान्य होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति के प्रश्नों के आधार पर उसे देखा जाएगा और उसके आधार पर फैसला किया जाए। साथ ही कहा कि इस मामले में अगर राज्य सरकार ने राजभवन को बाईपास करने की कोशिश की तो ये स्वीकार नहीं होगा। वहीं राज्य में कार्यवाहक मुख्य सचिव और कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति को लेकर राज्यपाल को लिखे पत्र के संबंध में राज्यपाल ने कहा कि उस पत्र को सरकार को भेज दिया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार को प्रदेश कैसे चलाना है, ये सरकार जाने, लेकिन इतना जरूर है कि अहम पदों पर स्थायी और सक्षम अधिकारियों की तैनाती होनी चाहिए न कि कार्यवाहक नियुक्त किए जाएं।

गौरतलब है कि सुक्खू सरकार ने डॉ. वाईएस. परमार यूनिवर्सिटी ऑफ हॉर्टिकल्चर एंड फॉरेस्ट्री और सीएसके हिमाचल प्रदेश कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर में कुलपति चयन के लिए बीते जुलाई को विज्ञापन निकाले थे, लेकिन राज्यपाल ने इन्हें 'शून्य और अमान्य' घोषित कर वापस ले लिया था। राज्यपाल ने 13 अगस्त को अपने वैधानिक अधि ाकारों का हवाला देते हुए इन विज्ञापनों को फिर से बहाल कर दिया था। हालांकि, मामला फिलहाल हाईकोर्ट में लंबित है। कुछ प्रोफेसरों की याचिकाओं पर हाईकोर्ट ने राजभवन की ओर से बढ़ाई गई तिथि पर स्टे लगा दिया है।

फसल अवशेष जलाने पर सख्तीरू बिना स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम के नहीं चलेगी कोई कम्बाईन:डीएम आजमगढ़

संवाददाता आजमगढ। मुख्य सचिव महोदय उ०प्र० शासन द्वारा खरीफ, 2025 मेंफसल अवशेष जलाने से हो रहे वायु प्रदूषण की रोकथाम हेतु विस्तृत दिशा–निर्देश जारी किये गये है। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने समस्त कम्बाईन हार्वेस्टर स्वामियों को निर्देशित किया है कि यह सुनिश्चित किया जाये कि फसल कटाई के दौरान प्रयोग की जानी वाली कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ सुपर स्ट्रा मैनेजमेन्ट सिस्टम अथवा स्ट्रा रीपर अथवा स्ट्रा रेक एवं बेलर अथवा अन्य कोई फसल अवशेष प्रबन्धन यन्त्र का प्रयोग किया जाना अनिवार्य होगा। यह सुनिश्चित किया जाय कि उक्त व्यवस्था बगैर कोई भी कम्बाईन हार्वेस्टर से कटाई न करने पाये। उन्होने कहा कि यह भी सुनिश्चित किया जाये कि जनपद में चलने वाली प्रत्येक कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ कृषि विभागध्ग्राम्य विकास विभाग का एक कर्मचारी नामित रहे, जिसके द्वारा अपने देख–रेख में कटाई कार्य कराया जायेगा।

जी.एम. एकेडमी, द्वारा विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन 6 नवंबर को

बरहज/देवरिया (संवाददाता)रविवार को जी.एम. एकेडमी बरहज के प्रधानाचार्य राजेश मिश्रा ने यह घोषणा करते हुए कहा कि, विद्यालय प्रांगण में गुरुवार, 06 नवम्बर 2025 को जी एम एकेडमी द्वारा विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। जिसमे छात्र छात्राये अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे।उन्होंने कहा कि,इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में सृजनशीलता, नवाचार एवं वैज्ञानिक जिज्ञासा, एवं तकनीकी शिक्षा को प्रोत्साहित कर विद्यार्थियों को प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक मंच प्रदान करना है।कार्यक्रम की अध्यक्षता महंत आँजनेय दास महाराज, आश्रम बरहज द्वारा की जाएगी।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपजिलाधिकारी विपिन द्विवेदी एवं विशिष्ट अतिथियों मे राजेश चतुर्वेदी (क्षेत्राधिकारी, बरहज) नगरपालिका अध्यक्ष श्वेता जायसवाल,प्रदर्शनी में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के मार्गदर्शन में तैयार किए गए विभिन्न वैज्ञानिक मॉडल, तकनिकी ज्ञान एवं रचनात्मक कलाकृतियाँ प्रदर्शित की जाएँगी। जी. एम. एकेडमी के अध्यक्ष डॉ. प्रकाश मिश्रा ने इस अवसर पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा की"विज्ञान एवं कला प्रदर्शनी हमारे विद्यार्थियों को चिंतनशील बनने, रचनात्मक रूप से कार्य करने और कक्षा से बाहर नई खोज करने का अवसर प्रदान करती है। जी.एम. एकेडमी में हम समग्र विकास को प्रोत्साहित करने में विश्वास रखते हैं, और ऐसेआयोजन हमारी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक हैं।"निदेशिका, डॉ. सम्भावना मिश्रा ने कहा कि"रचनात्मकता और वैज्ञानिक सोच एक–दूसरे के पूरक हैं। हमारे विद्यार्थियों ने अपने विचारों को साकार रूप देने के लिए निष्ठापूर्वक कार्य किया है, और मुझे विश्वास है कि यह प्रदर्शनी सभी आगंतुकों को प्रेरित करेगी।"प्रधानाचार्य, डॉ. राजेश कुमार मिश्रा ने अपने विचार साझा करते हुए कहा"यह प्रदर्शनी मात्र एक आयोजन नहीं, बल्कि नवाचार, टीमवर्क और कल्पनाशीलता का उत्सव है। मैं सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को उनके समर्पित प्रयासों के लिए बधाई देता हूँ और सभी से आग्रह करता हूँ कि वे हमारे विद्यार्थियों की प्रतिभा का साक्षी बने।

दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड 2025 से नवाजे गए सांसद रवि किशन

गोरखपुर(संवाददाता)सांसद और फिल्म अभिनेता रवि किशन शुक्ला को एक और बड़ी उपलब्धि हासिल हुई है। उन्हें वर्ष 2025 के "दादा साहब फाल्के इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल अवार्ड" से सम्मानित किया गया है। हाल ही में उन्हें हिंदी फिल्म "लापता लेडीज" के लिए फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला था। लगातार दो प्रतिष्ठित सम्मान मिलने से उनके समर्थकों और प्रशंसकों में खुशी की लहर दौड़ गई।रवि किशन मूल रूप से जौनपुर जिले के केराकत के रहने वाले हैं और वर्तमान में गोरखपुर से दूसरी बार बीजेपी सांसद हैं। उन्होंने 33 वर्षों के फिल्मी सफर में करीब 200 से अधिक हिंदी, भोजपुरी और दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है।सांसद रवि किशन ने सम्मान मिलने पर कहा कि यह मेरे माता–पिता, समर्थकों और गुरु गोरखनाथ बाबा के आशीर्वाद का परिणाम है। मुझे प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिलती है। उनके पीआरओ पवन दुबे ने बताया कि रवि किशन ने यह मुकाम अपनी मेहनत और लगन से हासिल किया है। इस सम्मान की घोषणा होते ही गोरखपुर और उनके गांव में बधाइयों का तांता लग गया।

कार्तिक पूर्णिमा के दिन गंगा स्नान के बाद अन्न दान से होता है अक्षय पुण्य की प्राप्ति - आचार्य अजय शुक्ल

सलेमपुर/देवरिया (संवाददाता)। सनातन धर्म व संस्कृति में कार्तिक पूर्णिमा का विशेष महत्व होता है।इस दिन भगवान विष्णु व माता लक्ष्मी जी की पूजा अर्चना होती है। मान्यता के अनुसार इस दिन श्री हरि की उपासना करने से साधक को जीवन में सभी सुखों की प्राप्ति होती है। उक्त बातें बताते हुए आचार्य अजय कुमार शुक्ल ने कहा कि इस बार कार्तिक पूर्णिमा की तिथि 5 नवम्बर को प्राप्त हो रही है। इस दिन ही व्रत व स्नान दान किया जाएगा। ज्योतिष पंचांग के अनुसार कार्तिक मास पूर्णिमा तिथि 4 नवम्बर को प्रातः काल 10 बजकर 36 मिनट से प्रारंभ होकर अगले दिन 5 नवम्बर को सायंकाल 6 बजकर 48 मिनट तक रहेगी।ऐसे में उदया तिथि के अनुसार कार्तिक पूर्णिमा का पवित्र पर्व 5 नवम्बर को मनाया जाएगा।इस दिन गंगा या अन्य नदियों सरोवरों में स्नानादि के पश्चात दान विशेष रूप से अन्न दान का विशेष महत्व होता है।इस दिन स्नान का शुभ मुहूर्त सुबह 4 बजकर 51 मिनट से 5 बजकर 43 मिनट तक है।इस दिन देव दीपावली का पर्व भी मनाया जाएगा। इस दिन सर्वार्थ सिद्धि योग बन रहा है।जिसके कारण इस तिथि का महत्त्व और बढ़ गया है।इसी दिन हंस राजयोग भी बन रहा है।जिसका विशेष महत्व होता है।

पुलिस-भर्ती परीक्षा के अभ्यर्थी बोले-आसान था पेपर,किसी भी सवाल ने उलझाया नहीं

वाराणसी, संवाददाता। वाराणसी में पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन 19 केंद्रों पर सुबह 10 बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सहायक उप निरीक्षक पद की परीक्षा शुरू हुई। यह परीक्षा दोपहर 12.30 खत्म हुई। इस परीक्षा में कुल 7440 परीक्षार्थी रजिस्टर्ड थे। लेकिन अभ्यर्थियों की मानने तो सभी कमरों में 30 परसेंट ही परीक्षार्थी उपस्थित थे। फिलहाल अभी पुलिस प्रशासन ने आंकड़े नहीं जारी किए हैं। परीक्षा को लेकर इसे लेकर वाराणसी कमिश्नरेट पुलिस ने कड़ी सुरक्षा के इंतजाम किए थे। पुलिस भर्ती परीक्षा के दूसरे दिन वाराणसी सिर्फ एक पाली में परीक्षा होगी। इसमें सहायक उप निरीक्षक (लिपिक) और सहायक उप निरीक्षक (लेखा) पद पर परीक्षा हुई। परीक्षा के बाद बाहर निकले परीक्षार्थियों ने पेपर को इजी बताया। हरिश्चन्द्र पीजी कालेज में परीक्षा देकर निकलीं मुरादाबाद से आई कुसुम ने बताया रीजनिंग बहुत इजी आई थी। कोई सवाल ऐसा नहीं था जो हमें फंसाता। बहराइच के साहिल हुसैन नकवी ने बताया जिसने नॉर्मल पढ़ा होगा वो भी आसानी से पेपर साल्व कर लेगा। लेकिन मेरे कमरे में 30 सीट थी लेकिन आए कुल 8 लोग थे तो मेरिट हाई होगी। प्रथम पाली में होने वाली यह परीक्षा सुबह 10 बजे से दोपहर के 12 बजकर 30 मिनट तक हुई। इसमें प्रदेश के विभिन्न जिलों के 7440 अभ्यर्थी 19 सेंटरों पर परीक्षा देने आए थे। जिसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। शनिवार को हुई पुलिस विभाग की कम्प्यूटर ऑपरेटर ग्रेड ए की परीक्षा 8909 अभ्यर्थियों ने छोड़ दी। परीक्षा में 13920 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड थे। कंप्यूटर ऑपरेटर ग्रेड ए के कुल 1129 पदों के लिए पूरे प्रदेश में एक लाख से अधिक आवेदन हुए थे। जिसमें वाराणसी में 13920 अभ्यर्थी रजिस्टर्ड थे।सिर्फ 5011 ने ही परीक्षा दी। सभी परीक्षार्थियों को 45 मिनट पहले इंट्री मिली।

जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार ने कहा, जैव उर्वरक की आपूर्ति में कोई कमी नहीं होने दी जाएगी

संवाददाता। आजमगढ़ – जिला कृषि अधिकारी डॉ0 गगनदीप सिंह ने बताया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जैव उर्वरक के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की योजना वर्ष 2024–25 से 2028–29 तक के लिए प्रारंभ की गई है। इस योजना का उद्देश्य मृदा की लगातार कम हो रही उर्वरा शक्ति को बनाए रखने एवं मृदा में जीवांश कार्बन का प्रतिशत बढ़ाने में जैव उर्वरकों का महत्वपूर्ण योगदान है। जैव उर्वरक के उत्पादन एवं प्रयोग के प्रोत्साहन कार्यक्रम से कृषकों में मृदा स्वास्थ्य बनाए रखने तथा गुणवत्तापूर्ण उत्पादन प्राप्त करने की जागरूकता एवं क्षमता वर्धन का विकास करना है। जैव उर्वरकों के प्रयोग से नाइट्रोजन एवं घुलनशील फास्फोरस की उपलब्धता फसल के लिए बढ़ती है। जिससे रासायनिक उर्वरकों का प्रयोग कम हो जाता है तथा रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से उत्पन्न विषाक्तता दूर होती है। रासायनिक उर्वरकों की कीमतें अधिक होने तथा जैव उर्वरकों की कीमतें अपेक्षाकृत कम होने से कृषक की उत्पादन लागत को कम करने में सहायता होती है, जिससे कृषक को फसल की उत्पादन लागत पर अतिरिक्त बचत प्राप्त होती है तथा कृषकों की आय में वृद्धि होती है। जैव उर्वरकों के प्रयोग से पौधों में वृद्धि कारक हारमोंस उत्पन्न होते हैं। यह हार्मोन पौधों की बढ़वार एवं उत्पादन बढ़ाने में सहायक होते है तथा किसान के खेत में लाभकारी सूक्ष्म जीवों की संख्या बढ़ती है। जिससे फसल उत्पादन की गुणवत्ता में सुधार होता है। जैव उर्वरकों के प्रयोग से पर्यावरण सुरक्षित रहता है तथा उनके उपयोग से मृदा की गुणवत्ता में सुधार आता है।मृदा मात्र एक भौतिक साधन ही नहीं परंतु जीवित क्रियाशील तंत्र है जिसमें जीवाणु फफूंदी, शैवाल, प्रोटोजोआ आदि बहुसंख्य सूक्ष्म जीव पाए जाते है। इनमेंसे कुछ लाभदायक सूक्ष्मजीव, नाइट्रोजन तथा फास्फोरस पोषक तत्व को फसलों के प्राप्य अवस्था में बदल देते है। जो पौधों को नाइट्रोजन तथा फास्फोरस आदि पोषक तत्वों की प्राप्यता को सुगम बनाते है। जैव उर्वरक पौधों के लिए वृद्धिकारक पदार्थ सुलभता से प्राप्त करने के साथ पारिस्थितिकी संतुलन बनाने में सहायक होते है। पौधे के समुचित वृद्धि एवं विकास के लिए मुख्यतः 17 पोषक तत्वों की आवश्यकता होती है। जिनमें से नाइट्रोजन एवं फास्फोरस अतिआवश्यक एवं महत्वपूर्ण तत्व है।जैव उर्वरक 03 प्रकार के प्रयोग किए जाते है। जिनका नाम है राइजोबियम, एजोटोबैक्टर, फास्फोरस सॉल्युबलाइजिंग बैक्टीरिया (पीएसबी)। राइजोबियम जैव उर्वरक एक नमीधारक पदार्थ एवं जीवाणुओं का मिश्रण है। जिसके प्रत्येक ग्राम में 10 करोड़ से अधिक राइजोबियम जीवाणु पाए जाते है। राइजोबियम जैव उर्वरक केवल दलहनी फसलों में ही प्रयोग किया जा सकता है। राइजोबियम जैव उर्वरक पौधों की जड़ें में ग्रंथियोंनोड्यूल का निर्माण करते है। यही ग्रंथियांनोड्यूल वायुमंडल की नाइट्रोजन को फिक्स करते हुए पौधों को उपलब्ध कराती है। राइजोबियम स्पेशीज जैव उर्वरक प्रत्येक दलहनी फसल के लिए पृथक पृथक प्रकार का प्रयोग किया जाता है। राइजोबियम जैव उर्वरक के प्रयोग से 10–30 किलोग्राम तक यूरिया नाइट्रोजन की बचत होती है। राइजोबियम जैव उर्वरक प्रयोग करने से 15–20 प्रतिशत फसल उत्पादन में वृद्धि होती है। राइजोबियम जीवाणु हार्मोन एवं विटामिन उत्पन्न करते हैं जिससे पौधों की वृद्धि तथा जड़ विकास अधिक एवं उत्पादन बढ़ता है।इसी प्रकार से एजोटोबैक्टर जैव उर्वरक का प्रयोग किया जाता है। यह वायुमंडल की नाइट्रोजन को अपने शरीर में फिक्स करता है तथा मरने के बाद मिट्टी में नाइट्रोजन की मात्रा को बढ़ाता है। एजोटोबैक्टर जैव उर्वरक के प्रयोग से 20–30 किलोग्राम नाइट्रोजन की बचत होती है ।

तैयारी का जायजा लिया अधिकारी ने

बलिया (संवाददाता)। आगामी कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर्व को लेकर जिला प्रशासन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्य विकास अधिकारी ने रविवार को निरीक्षण किया। उनके साथ मुख्य राजस्व अधिकारी, उपजिलाधिकारी सदर, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद बलिया, सहायक अभियंता लोक निर्माण विभाग, बाढ़ खंड एवं अन्य विभागीय अधिकारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी ने घाटों पर चल रहे कार्यों का बारीकी से निरीक्षण करते हुए कई आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैरिकेटिंग का कार्य आज रात तक हर हाल में पूर्ण कर लिया जाए। सांस्कृतिक कार्यक्रम और आरती मंच हेतु आवश्यक टेंट व सजावट की सामग्री कल तक स्थल पर पहुंचाकर कार्य पूर्ण किया जाए। प्रकाश व्यवस्था का कार्य ठेकेदार द्वारा आज रात तक पूरा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही बाढ़ खंड के अधिकारियों को मार्ग में बोरी डालकर मरम्मत कराने तथा लोक निर्माण विभाग को सड़क सुधार कार्य शीघ्र पूर्ण करने के आदेश दिए। उन्होंने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा स्नान पर लाखों श्रद्धालु आते हैं, ऐसे में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। सभी अधिकारी कैंप लगाकर कार्यों को युद्धस्तर पर पूरा करें ताकि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो।

अखंड भारत के प्रणेता थे सरदार पटेल-भूपेंद्र सिंह

देवरिया (संवाददाता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150 वीं जयंती पर भाजपा नगर मंडल द्वारा नगर कार्यालय गरुलपार में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने सरदार पटेल के जीवन और उनके योगदान को याद किया। इसी क्रम में औरा चौरी स्थित पार्टी मुख्यालय पर महिला मोर्चा द्वारा सरदार पटेल की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि सरदार पटेल ने देश की एकता और अखंडता के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनके नेतृत्व में देश की 562 रियासतों को एक सूत्र में पिरोया गया था। श्री सिंह ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती पर आयोजित इस कार्यक्रम से हमें उनकी विरासत को याद करने और उनके दिखाए मार्ग पर चलने का संकल्प लेने का अवसर मिलता है। उन्होंने कहा कि उनकी एकता और अखंडता की भावना आज भी प्रासंगिक है और हमें इसे अपनाने का प्रयास करना चाहिए। भाजपा जिला कार्यालय पर महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष भारती शर्मा की अध्यक्षता में प्रदेश मंत्री शकुंतला चौहान ने सरदार पटेल के व्यक्तित्व और कृतित्व पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा की तथा सरदार पटेल को भारत की एकता और अखंडता की प्रतिमूर्ति बताया । जिला उपाध्यक्ष राजेश कुमार मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस सरकार ने अखंड भारत के निर्माता को भुला दिया, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में सरदार पटेल का सम्मान भाजपा सरकार कर रही है। नगर अध्यक्ष रमेश वर्मा ने कहा कि सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर नगर में आगे भी विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे

कार्यक्रम का संचालन नगर महामंत्री सुधीर मद्धेशिया ने किया। इस अवसर पर जिला मीडिया प्रभारी प्रभाकर तिवारी, नगर महामंत्री रविशंकर नाथ त्रिपाठी उपाध्यक्ष बजरंगी मणि, अजय सिंह, अटल बरनवाल, विजय लक्ष्मी, संजू सोनी, नगर मंत्री अमन वर्मा, सुशील सिंह, अभिषेक मिश्रा, दीपू यादव, मिडिया प्रभारी दीपक श्रीवास्तव बिल्लू आईटी विभाग संयोजक नागेंद्र गुप्ता, शक्ति केंद्र संयोजक दीपक श्रीवास्तव, आदित्य मिश्रा, सुशील जायसवाल, राजेश दुबे, बलराम वर्मा, राजन पांडेय, आनन्द श्रीवास्तव, भरत मद्धेशिया, गोलू जायसवाल, अंकित शर्मा, वीरू राजभर, आशीष सिन्हा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विमेंस वर्ल्ड कप फाइनलय सिगरा स्टेडियम में गूंजा हनुमान चालीसा

वाराणसी,संवाददाता। आईसीसी वीमेंस वर्ल्ड कप क्रिकेट का फाइनल आज दोपहर मुंबई में इंडिया और साऊथ अफ्रिका के बीच खेला जाएगा। ऐसे में पूरे देश में दुआओं का दौर जारी है। इसी क्रम में वाराणसी के सिगरा स्पोर्ट्स स्टेडियम में क्रिकेट खिलाड़ियों ने 251 दीये जलाकर हनुमान चालीसा का पाठ किया और भारत की जीत की कामना किया। इस दौरान भारत माता की जय का जयघोष भी हुआ। इसके अलावा दीये से इंडिया भी लिखा गया। क्रिकेट वर्ल्ड कप–2025 का फाइनल मुकाबला इंडिया और साऊथ अफ्रिका के साथ आज मुंबई में खेला जाएगा। इसके पहले पूरे देश में भारत की जीत की कामना के साथ पूजा–अर्चना और दुआख्वानी हो रही है। इसी क्रम में वाराणसी के सिगरा स्टेडियम में उदयीमान क्रिकेटर खिलाड़ियों ने दीये से इंडिया लिखा और हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ करके टीम इंडिया की जीत की कामना किया। टीम इंडिया ने आस्ट्रेलिया को सबसे बड़े रन चेज के साथ हराया था। जिसमें जेमिमा रोड्रिग्स ने शतक लगाया था। क्रिकेटर नलिनी ने बताया हम सभी लोगों ने इंडिया के लिए चियरअप किया है। दीया जलाकर हमने हनुमान चालीसा का पाठ किया है और टीम इंडिया की जीत की बजरंग बली से प्रार्थना की है। नलिनी ने कहा जिस तरह से सात बार की चौंपियन और साल 2017 से एक भी मुकाबला न हारने वाले टीम आस्ट्रेलिया को हराकर इंडिया ने फाइनल में प्रवेश किया है। इससे यही उम्मीद है और हमें पूर्ण विश्वास है की टीम इंडिया यह मुकाबला जीतेगी। क्रिकेटर प्रयांशी गुप्ता ने बताया हमने आज हनुमान चालीसा का पाठ करके टीम इंडिया की जीत की कामना की है। इंडिया टीम ने बताया है कि अब इंडिया में क्रूमेंस क्रिकेट भी बदल गया है। अब हमारे खिलाड़ी जीत के लिए खेलते हैं। और अब उन्हें कोई नहीं रोक सकता। टीम इंडिया हर हाल में चौंपियन बनकर रहेगी।

सिकंदरपुर में सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक वीडियो वायरल, आरोपी गिरफ्तार

बलिया (संवाददाता)। सोशल मीडिया पर भगवान श्रीराम, भगवान परशुराम और सनातन धर्म पर आपत्तिजनक टिप्पणी का वीडियो वायरल होने से क्षेत्र में आक्रोश फैल गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के अनुसार, भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य रिपुंजय राय ने शुक्रवार को थाना सिकंदरपुर में तहरीर दी थी। तहरीर में आरोप लगाया गया कि ग्राम हड़सर निवासी विष्णु शंकर उर्फ गोलू कुमार पुत्र सुदामा राम ने अपने फेसबुक अकाउंट से एक वीडियो अपलोड किया, जिसमें उसने सनातन धर्म व भगवान श्रीराम और भगवान परशुराम के विरुद्ध आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इस वीडियो को गांव के ही रवि सिंह सेंगर ने अपने अकाउंट से साझा करते हुए कार्रवाई की मांग की।बीडीओ वायरल होते ही लोगों में भारी नाराजगी फैल गई और क्षेत्र में तनाव का माहौल बन गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रभारी निरीक्षक नरेश मलिक के नेतृत्व में पुलिस टीम ने शनिवार की सुबह आरोपी को बंसी बाजार चट्टी से गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक नरेश मलिक ने बताया कि धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वालों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर निगरानी बढ़ा दी गई है ताकि किसी तरह की अफवाह या वैमनस्य न फैल सके। स्थानीय लोगों ने प्रशासन की त्वरित कार्रवाई की सराहना की है।

भागलपुर का युवक लापता, परिजन परेशान

भागलपुर/देवरिया (संवाददाता)। थाना मईल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भागलपुर का रहने वाला युवक मगरू राईनी (फक्कडीन राईनी) बीते 30 अक्टूबर 2025 से रहस्यमय तरीके से लापता है। परिजनों के अनुसार मगरू राईनी अपने घर से यह कहकर निकला था कि वह चौरीचौरा, गोरखपुर किसी काम से जा रहा है, परंतु रात में घर नहीं लौटा।

परिजनों ने बताया कि उन्होंने अपने स्तर से खोजबीन शुरू की लेकिन अब तक उसका कोई सुराग नहीं मिला है। युवक की गुमशुदगी की रिपोर्ट थाना भटनी में दर्ज कराई गई है। मगरू राईनी के परिजन उसके सुरक्षित लौट आने की अपील कर रहे हैं।मंगरू के पिता स्वर्गीय मुमताज अहमद थे, और वह अपने परिवार के साथ भागलपुर, पोस्ट–भागलपुर, जिला–देवरिया में रहते थे। परिवार ने आम जनता से अपील की है कि यदि किसी को भी उक्त व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी मिले तो कृपया नीचे दिए गए मोबाइल नंबरों पर संपर्क करें कृ

कूटरचित दस्तावेजों से जमीन की धोखाधड़ी करने वाला वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

गोरखपुर(संवाददाता)। धोखाधड़ी और कूटरचित दस्तावेजों के जरिए जमीन की खरीद–फरोख्त करने के आरोप में पुलिस ने एक वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान प्रदीप कुमार पुत्र स्वर्गीय राम सूरत निवासी डांगीपार, थाना खोराबार, जनपद गोरखपुर के रूप में हुई है।थाना रामगढ़ताल में दर्ज मुकदमा संख्या 12ध्2023 धारा 419, 420, 467, 468, 471, 406, 506, 120बी भादंवि से संबंधित इस मामले में अभियुक्त पर आरोप है कि उसने कूटरचित दस्तावेज तैयार कर दूसरे की जमीन को धोखाधड़ी से बैनामा कराया और बाद में उसी जमीन को वादी के नाम बेचने का प्रयास किया।पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार किया। इस संबंध में पुलिस ने बताया कि आरोपी के विरुद्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस का कहना है कि ऐसे फर्जीवाड़े में लिप्त व्यक्तियों पर कड़ी कार्रवाई जारी रहेगी।

बारिश से बर्बाद हुई फसलों का मुआवजा दे सरकार-रणवीर

देवरिया (संवाददाता)। रविवार को समाजवादी युवजन सभा के कार्यकर्ताओं की बैठक कचहरी रोड स्थित सपा के जिला कार्यालय में संगठन के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जनपद मे मोंथा तूफान के चलते बेमौसम हुई बारिश से किसानों की बर्बाद हुई फसलों का तत्काल उचित मुआवजा देने की सरकार से मांग की गई। बैठक को संबोधित करते हुए समाजवादी युवजन सभा के जिलाध्यक्ष रणवीर यादव ने कहा कि बेमौसम बारिश से जनपद में किसानों का भारी नुकसान हुआ है। एक तरफ जहां खड़ी धान की फसल खेतों में लोटपोट हो गई है, वहीं दूसरी तरफ काट कर छोड़ी गई फसल पर पानी लगा हुआ है। आलू, मटर और सरसों की बुवाई किसानों द्वारा की गई थी अब उसका भी जमाव होना मुश्किल है। अपनी आंखों के सामने धान की तैयार फसल का नुकसान होता देख किसानों का कलेजा फटा जा रहा है। बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ने का काम किया है। किसान पहले से ही खाद,बीज,कीटनाशक दवाओं एवं बिजली की महंगाई से त्रस्त है। किसानों को खेती में लगी पूंजी डूबने की चिंता सताने लगी है। भाजपा सरकार में प्रकृति की मार झेल रहें किसानों की सुधि लेने वाला कोई नहीं है। जनपद में किसानों की बर्बाद हुई फसलों का सही मूल्यांकन कर प्रशासन पीड़ित किसानों को जल्द से जल्द उचित मुआवजा दे,वही गेहूं की बुवाई के लिए सरकार किसानों को पर्याप्त खाद उपलब्ध कराये अन्यथा समाजवादी युवजन सभा आंदोलन को बाध्य होगी। बैठक में मुख्यरूप से सूरज कुशवाहा, शिवनाथ यादव, इमरान लारी, देवेश यादव, वसिष्ठ यादव, अनीश कुशवाहा, पवन मिश्रा, जितेश, सन्नी प्रभात, अमरनाथ, रामबृक्ष राजभर, शाकिर अली, नीरज विश्वकर्मा, धन्नू गुप्ता आदि मौजूद रहें।

संसद में 470 हिंदू की संख्या पहुंचने पर बनेगा हिंदू राष्ट्र : रामभद्राचार्य

- मंदिर में गैर हिंदू का प्रवेश रहेगा वर्जित, बच्चों को संस्कृति से कराएं परिचित

- भगवान श्री जगन्नाथ मंदिर की जगतगुरु ने रखी आधारशिला

फतेहपुर (संवाददाता)शहर के पक्का तालाब इलाके में रविवार आयोजित भगवान जगन्नाथ धाम के भूमि पूजन कार्यक्रम में धार्मिक हस्ती रामभद्राचार्य ने देश के राजनीतिक और सांस्तिक स्वरूप के बारे में तीखे बयानों से उपस्थित लोगों का ध्यान खींचा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वे देश को एक हिंदू राष्ट्र बनाने की ओर सक्रियता से काम करना चाहते हैं और इसका उद्देश्य देश की सांस्तिक पहचान को मजबूत करना है।भाषण के दौरान रामभद्राचार्य ने कहा कि भारत की 80 प्रतिशत आबादी हिंदू होनी चाहिए। संसद में जब तक 470 सीटों तक यह संख्या नहीं पहुँचती, देश हिंदू राष्ट्र नहीं बन सकता है। इसके लिए सभी को एकजुट होकर प्रयास करना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि अगर स्थिति नहीं बदली तो हिंदुओं पर अत्याचार बढ़ेंगे। स्वर को और प्रभावी बनाते हुए उन्होंने कहा कि जब तक मैं हूँ हिंदुओं का बाल भी बांका नहीं होगा। हिंदू संस्ति और परंपराओं के संरक्षण पर जोर देते हुए रामभद्राचार्य ने यह भी कहा कि हमारे बच्चों को सांस्तिक शिक्षा देने की आवश्यकता है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि इस्लाम में छोटे बच्चे कुरआन सीखते हैं हमें भी अपने बच्चों को हमारी संस्ति से परिचित कराना होगा। इस मंदिर में गैर हिंदू का प्रवेश नहीं होना चाहिए। प्रतिदिन भात का भोग, हांडी में दाल पके ऐसी व्यवस्था करे। जगन्नाथ मंदिर को लेकर सुबह से सनातनियों का जमघट लगा रहा। इलाके को भगवाध्वज से पाट दिया गया। लाउडस्पीकरों से वैदिक मंत्रों की ऋचाओं की गूंज से आसपास के इलाके में धार्मिक बयार बहने लगी। सुबह 11.30 बजे चित्रकूट से तुलसीपीठाधीश्वर पद्मभूषण जगतगुरु स्वामी रामभद्राचार्य का विमान पहुंचा तो पुष्प वर्षा होने लगी। इसी के साथ ही प्रदेश सरकार की महिला विकास बाल कल्याण मंत्री बेबीरानी मौर्य भी सड़क मार्ग से आयोजन स्थल पहुंची। एक दिन पूर्व ही जगन्नाथधाम पुरी के प्रधान दैतापति भवानीदास जी महाराज पहुंचे थे। मंदिर के पूजन स्थल पर अतिथियों के पहुंचाने के बाद पूजन का कार्यकम शरू हो गया। मंदिर के संस्थापक समाजसेवी संतोष तिवारी और मिटैरा ब्लाक प्रमुख अमित तिवारी आगंतुकों की अगवानी करके आयोजन स्थल पहुंचाने का काम सहयोगियों के संग करते हुए दिखाई दिए। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की गई थी। आयोजन में वाहनों के आने के चलते शहर के भीतर रात 11 बजे तक का डायवर्जन लागू कर दिया गया था। जिससे बड़े वाहन शहर भीतर नहीं घुस पाए। आयोजन स्थल को जाने वाले रास्तों में जय जगन्नाथ, जय श्री राम के नारे लगाए जा रहे थे। गायक पवन तिवारी ने भजनों से समा बाधा तो माहौल भक्तिमय हो गया।

आएं कितने भी संकट, उनसे न कभी तुम घबराना

फतेहपुर (संवाददाता) शहर के मुराइन टोला स्थित हनुमान मंदिर में शैलेन्द्र साहित्य सरोवर के बैनर तले 409 वीं साप्ताहिक रविवासरीय सरस काव्य गोष्ठी का आयोजन प्रदीप कुमार गौड़ की अध्यक्षता एवं शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी के संचालन में हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में मंदिर के पुजारी उपस्थित रहे।काव्य गोष्ठी का शुभारंभ करते हुए प्रदीप कुमार गौड़ ने वाणी वंदना मे अपने भाव प्रसून प्रस्तुत करते हुए कहा ष्वेत कमल पर आप सुशोभित, भरती जग में उजियारा। विद्या दायिनि सरस्वती मां, हरो ह्रदय का अंधियारा।। पुनः कार्यक्रम को गति देते हुए काव्य पाठ में कुछ इस प्रकार से अपने अंतर्भावों को प्रस्तुत किया भगवन शालिग्राम हैं दूल्हा, दुलहन हैं तुलसी मैया। शुभ विवाह उत्सव का पूजन, गन्नों का मंडप, छैया।। श्री जगन्नाथ मंदिर के भूमि पूजन के अवसर पर एक छंद और भी पढ़ा धन्य धन्य हो गया फतेहपुर, तन–मन चढ़ा भक्ति का रंग। बनेगा मंदिर जगन्नाथ, बलभद्र, सुभद्रा बहना संग।। डा. सत्य नारायण मिश्र ने अपने भावों को एक छंद के माध्यम से कुछ इस प्रकार व्यक्त किया पथिक! तुम्हारा धर्म नहीं, पथ बीच कहीं भी रुक जाना। आएं कितने भी संकट, उनसे न कभी तुम घबराना।। केपी सिंह कछवाह ने पढ़ा देवोत्थान एकादशी, का है पर्व महान। व्रतियों को दे हर खुशी, करता मोक्ष प्रदान।। राम अवतार गुप्ता ने अपने भावों को मुक्तक में कुछ इस प्रकार पिरोया– तुलसी जी का विष्णु संग जो जन करते ब्याह। लक्ष्मी वहां विराजतीं, पूरण करतीं चाह।। डॉ. शिवसागर साहू ने काव्य पाठ में अपने भावों को कुछ इस प्रकार शब्द दिए बिना धर्म के काम असंयम, भोग रोग बन जाता है। धर्म–डोर ढीली होने पर, नर पिशाच कहलाता है।। काव्य गोष्ठी के आयोजक एवं संचालक शैलेन्द्र कुमार द्विवेदी ने हरि प्रबोधिनी एकादशी पर्व के अवसर पर अपने भाव एक मुक्तक के माध्यम से कुछ इस प्रकार व्यक्त किये जागो–जागो जगतपति, देखो नयन उघार। दुष्टों का संहार कर, करो जगत–उद्धार।। कार्यक्रम के अंत में पुजारी ने सभी को आशीर्वाद प्रदान किया। आयोजक ने आभार व्यक्त किया।

प्रतिष्ठान के चार दशक पूर्ण होने पर वृद्धजनों का किया सम्मान

(संवाददाता) फतेहपुर। शहर के पीलू तले चौराहा स्थित समाजसेवी एवं व्यवसायी विनोद गुप्ता का बैग का प्रतिष्ठान है जिसके सकुशल चार दशक पूर्ण होने पर वैदिक रीति रिवाज से पूजन व हवन किया गया। व्यवसायी विनोद गुप्ता ने अपनी पौत्री सान्वी से फीता कटवाकर ग्राहकों को उत्तम सेवा देने का संकल्प दोहराया। वृद्धजनों को टीका लगाकर अंग वस्त्र समर्पित करते हुये प्रतीक चिन्ह देकर आशीर्वाद लिया। जिसमें जेल पर्यवेक्षक विपिन बिहारी शरण, राधे श्याम गुप्ता मामा , सैयद मोहम्मद जमीन नकबी, अनवर हुसैन, समाजसेवी विमल गुप्ता, रहे।मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित वैश्य एकता परिषद के युवा प्रदेश अध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिंपल ने कहा कि पीलू तले चौराहे पर समाजसेवी विनोद गुप्ता का बैग का प्रतिष्ठान काफी प्रतिष्ठित एवं ग्राहकों की अपेक्षाओं पर खरा उतरने वाला प्रतिष्ठान है। उनकी कर्तव्यनिष्ठा एवं ग्राहकों के प्रति सदव्यवहार के कारण आज उन्होंने ग्राहकों के बीच में जो विश्वास अर्जित किया है वह सराहनीय है। उसका परिणाम यह है कि एक ही स्थान पर चार दशक पूर्ण हुये है। इसके लिये उनको बहुत बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित परिषद के जिलाध्यक्ष अरूण जायसवाल ने कहा कि विनोद गुप्ता प्रतिष्ठान के साथ साथ सामाजिक संगठनों में भी अहम भूमिका का निर्वहन करते है जिससे आज उनका समाज में अपना एक उच्च स्थान है। इस मौके पर प्राइवेट बस एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष फरहत अली सिद्दीकी, पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश गुप्ता, व्यापारी कल्याण बोर्ड के नामित सदस्य नरेंद्र गुप्ता, व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष बृजेश सोनी, नगर अध्यक्ष प्रमोद गुप्ता, संजीव गुप्ता, मोहम्मद आसिफ, नैंसी गुप्ता, सान्वी गुप्ता, आशीष गुप्ता, सुशील गुप्ता, गिरजा शंकर सोनी, मोहम्मद हबीब, शीबू अहमद, आशीष अग्रहरि भी मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन की खुदाई ने बढ़ाई आफत

- कटवा गांव में टूटी सड़कें व गंदगी से ग्रामीण आक्रोश में

सीतापुर(संवाददाता) जिले के सिधौली विकास खंड क्षेत्र के अटरिया थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कटवा में जल जीवन मिशन के तहत कराए गए कार्य और उसके बाद बरती गई घोर लापरवाही ने ग्रामीणों का जीना मुहाल कर दिया है। रविवार को गांव में सड़कों की बदहाली और ध्वस्त सफाई व्यवस्था से ग्रामीणों का आक्रोश चरम पर उजागर हुआ। खुदी सड़कों पर जान का खतरारू बुजुर्ग हो रहे चोटिल जल जीवन मिशन के तहत पाइपलाइन बिछाने के लिए ग्राम पंचायत की सड़कों को खोद दिया गया था, लेकिन अफसोस! काम पूरा होने के बाद भी इन सड़कों की मरम्मत करना प्रशासन भूल गया। स्थानीय निवासियों ने बताया कि इन खुदी हुई सड़कों के कारण कई बुजुर्ग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। स्थानीय निवासी नागेंद्र शुक्ला, मनोज कुमार और डॉक्टर ऋषभ त्रिवेदी ने अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि रात के समय वाहनों के निकलने पर नाली के गड्ढों में गिरने का डर बना रहता है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति अत्यंत गंभीर है और कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ध्वस्त सफाई व्यवस्था से बीमारियों का खतरा एक ओर सड़कों की बदहाली है तो वहीं दूसरी ओर गांव में सफाई व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त है। नालियों में गंदगी और कीड़े–मकोड़ों का प्रकोप बढ़ रहा है जिससे स्थानीय लोगों को स्वास्थ्य संबंधित गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। प्रधान प्रतिनिधि का आश्वासन इस गंभीर स्थिति पर, जब ग्राम प्रधान प्रतिनिधि योगेश शुक्ला से बात करने का प्रयास किया गया, तो उन्होंने कहा कि सफाई कर्मी आता है लेकिन उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि ग्रामीणों की इस समस्या का समाधान जल्द किया जाएगा। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से तत्काल सड़कों की मरम्मत कराने और सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करने की मांग की है ताकि किसी बड़ी दुर्घटना को टाला जा सके।

डीएम के औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य महकमे पर गिरी गाज

लहरपुर, सीतापुर (संवाददाता)। नवागत जिलाधिकारी डॉ. राजगणपति आर ने पदभार संभालते ही अपनी कार्यशैली से चर्चा में रहे डीएम राजा गणपति आर ने कड़ा रुख अपना लिया है। देर रात सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लहरपुर में उनके औचक निरीक्षण से स्वास्थ्य महकमे में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान, सीएचसी अधीक्षक सहित लगभग सभी डॉक्टर और कई कर्मचारी अपनी ड्यूटी से नदारद मिले। डीएम डॉ. राजागणपति आर ने अचानक अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का हाल जाना। इस दौरान, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुरेश कुमार भी उनके साथ मौजूद रहे। जब बारीकी से उपस्थिति की जाँच की गई, तो पता चला कि अस्पताल एक तरह से बिना डाक्टर के चल रहा है। अधीक्षक डॉ. अरविंद बाजपेई, गाइनेकोलॉजिस्ट डॉ. गोविंद गुप्ता, और एनीस्थिस्ट डॉ. विनय भदोरिया जैसे महत्वपूर्ण पदों पर तैनात डॉक्टर अनुपस्थित पाए गए। स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति घोर लापरवाही और मरीजों के जीवन से खिलवाड़ होता देख, डीएम सख्त हो गए। उन्होंने मौके पर ही सभी अनुपस्थित कर्मचारियों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। इससे भी बड़ा एक्शन लेते हुए, उन्होंने व्यवस्थाओं के प्रभारी फार्मासिस्ट डीसी गुप्ता को 15 दिन के भीतर अस्पताल की सभी व्यवस्थाएं सुधारने का अंतिम अल्टीमेटम दिया है। यदि 15 दिनों में स्थिति नहीं सुधरती है, तो उन पर और कड़ी कार्रवाई की जाएगी डीएम ने अस्पताल का गहनता से निरीक्षण किया और रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच की। नवागत डीएम का यह कड़ा एक्शन संदेश देता है कि सरकारी कामकाज में लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उनकी सख्ती से जिले के अन्य सरकारी अस्पतालों में भी हड़कंप की स्थिति है।

महिला थाने पर तीन जोड़े परिवार की काउंसलिंग कराके टूटने से बचाया

लखीमपुर खीरी (संवाददाता) प्रदेश शासन के निर्देशन पर पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा द्वारा मिशन शक्ति फेज 5.0 अभियान जनपद में चलाया जा रहा है, जिसके अन्तर्गत थानाध्यक्ष महिला थाना शिल्पी शुक्ला ने काउंसलरों के सहयोग से अभियान चलाकर महिलाओं को जागरूक किया एवं बिखरते परिवारों को जोड़ने का सराहनीय प्रयास किया है। बताते चलें कि जनपद मुख्यालय पर पुलिस अधीक्षक संकल्प शर्मा के दिशा निर्देशन मेंमहिला थाना की प्रभारी निरीक्षक शिल्पी शुक्ला, काउंसलर कुसुम गुप्ता, क्षमा टंडन, कय्यूम जरवानी एवं नीति गुप्ता द्वारा दहेज उत्पीड़न, घरेलू हिंसा के उत्पीड़न, साझी गृहस्थी में निवास को लेकर उत्पन्न होने वाली समस्याओं के प्रार्थनापत्रों में काउंसलिंग की गयी है। थाना खीरी के अन्तर्गत ग्राम पनगी कला निवासी पम्मी ने 25 अक्टूबर को शिकायती प्रार्थना जनपद सीतापुर के थाना सदर के ग्राम इस्माइलपुर निवासी अपने पति गुलशन कुमार व ससुरालियों के विरुद्ध देकर अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर मारने पीटने का आरोप लगाया था। दोनों पति–पत्नी के संसर्ग से एक पुत्र भी है। दोनों में लड़ाई झगडा होता रहता था। प्रभारी निरीक्षक महिला थाना ने उक्त मामले के पक्षकारों को बुलाकर सुलह समझौता कराने के निर्देश महिला आरक्षी सरिका चौहान को दिया था। महिला आरक्षी सरिका चौहान ने दोनों पक्षों को थाने पर बुलाकर थाना प्रभारी व काउंसलर के समक्ष उपस्थित कराकर काउंसलिंग कराई जिस पर दोनों पक्षों ने आपसी मतभेद भुलाकर साथ रहने के लिए तैयार होकर पुनः पति अपनी पत्नी और बच्चे को अपने साथ ले गया। उधर थाना फरधान के अन्तर्गत ग्राम पीरपुर निवासी बबिता व थाना कोतवाली सदर के ग्राम सलेमपुर कोन अमर बिहार कालोनी के रहने वाले घनश्याम का बिबाह सात वर्ष पूर्व हुआ था। दोनों के संसर्ग से 02 बच्चे थे और बबिता पुनः गर्भवती भी है। आपसी कलह होने के कारण बबिता अपने मायके चली गयी थी दोनों में आपसी सामंजस्य अच्छा नहीं था बबिता व घनश्याम ने अपनी शिकायत प्रभारी निरीक्षक महिला थाना से की थी जिस पर महिला आरक्षी सुमन लता को दोनों पक्षों को बुलाकर सुलह समझौता के उपस्थित कराने का निर्देश प्रभारी निरीक्षक महिला थाना ने दिया था जिस पर महिला आरक्षी सुमन लता ने पक्षकारों को महिला थाने पर बुलाया सुलह का प्रयास प्रभारी निरीक्षक महिला थाना व काउंसलरो के समक्ष कराया दोनों पक्ष साथ रहने के लिए तैयार हो गये। पति घनश्याम अपनी पत्नी व बच्चों को विदा कराने पत्नी के मायके जाएगा और सभी मतभेद दोनों पक्ष समाप्त करके साथ साथ रहेंगे। काउंसलर के सहयोग से 06 जोड़े पति–पत्नी की विदाई कराई गई है। पांच मामले ऐसे थे जिनमें पति–पत्नी में अत्यधिक मनमुटाव था जिसमें पक्षकारों को सोचने का समय दिया गया है। इस अवसर पर महिला थाने की महिला आरक्षी सुमन लता, सारिका चौहान, एवं पक्षकारों के परिवारिजन भी उपस्थित रहे। जिन्हें अभियान मिशन शक्ति फेज 5.0 के तहत महिलाओं के हेल्पलाइन नंबर अन्य योजना कन्या सुमंगला योजना, सामूहिक विवाह योजना, निराश्रित पेंशन योजना, कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देकर जागरूक किया गया।

कालर ग्राउंड पर लखनऊव सिंगाही बीच हुआ रोमांचक मुकाबला

लखीमपुर खीरी(संवाददाता)कस्बा खीरी के कॉलर ग्राउंड में चल रहे इलेवन स्टार कप स्टेट टूर्नामेंट का पांचवां दिन इतवार को रोमांचक मुकाबलों से भरा रहा। ओलंपिक संघ उत्तर प्रदेश से मान्यता प्राप्त इस राज्यस्तरीय टूर्नामेंट में प्रदेश भर की कई टीमें भाग ले रही हैं। इतवार को खेले गए मुकाबले में लखनऊ और सिंगाही की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष देखने को मिला। लखनऊ 3, सिंगाही=3, मुकाबला बिल्कुल बराबर रहा गेम का समय समाप्त होने पर ट्राई ब्रेकर हुआ जिसमें सिंगाही ने जीत हासिल की।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथियों में हाजी जलील खान, सईद मिर्जा, जकी रिजवी, सैय्यद सलमान रिजवी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। अतिथियों ने खिलाड़ियों से खेल भावना और अनुशासन के साथ खेलने का संदेश दिया। मैदान में सैकड़ों दर्शक मौजूद रहे, जिन्होंने मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों का जोश बढ़ाया। दर्शकों में बच्चों और युवाओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। टूर्नामेंट आयोजन समिति के अध्यक्ष हाजी अब्दुल जलील खान ने बताया कि इस टूर्नामेंट का उद्देश्य स्थानीय खिलाड़ियों को राज्य स्तर की प्रतियोगिताओं में भागीदारी का अवसर देना है, जिससे वे आगे बढ़ सकें। मैचों में निर्णायक की भूमिका चंचल ने निभाई। पूरे दिन मैदान पर खेल भावना का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला। टूर्नामेंट के अगले मैचों को लेकर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों में उत्सुकता बनी हुई है। कॉलर ग्राउंड पर लगातार हो रहे मुकाबलों से कस्बे में खेल का माहौल बन गया है और स्थानीय खिलाड़ियों में नई ऊर्जा देखने को मिल रही है।

पेड़ से लटका मिला नाबालिग लड़की का शव, सनसनी

महोली, सीतापुर (संवाददाता) महोली कोतवाली क्षेत्र के चोपड़ा गांव में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब पिछले 18 घंटे से लापता एक 17 वर्षीय नाबालिग लड़की का शव गांव के बाहर एक आम के पेड़ से लटका मिला। लड़की की पहचान चोपड़ा गांव निवासी शिवानी (17) के रूप में हुई है, जो शनिवार दोपहर करीब 2 बजे से घर से लापता थी। भाई ने दर्ज कराई थी गुमशुदगी की रिपोर्टलड़की के भाई प्रमोद पासी ने शनिवार को महोली कोतवाली में अपनी 17 वर्षीया बहन शिवानी के लापता होने की सूचना दी थी। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने तुरंत मुकदमा अपराध संख्या 448/25, धारा 137(2) बीएनएस के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। दुपट्टे से लटका मिला शव रविवार की सुबह, शिवानी के भाई प्रमोद ने पुलिस को सूचित किया कि गांव के बाहर तालाब के किनारे एक आम के पेड़ से शिवानी का शव उसके ही दुपट्टे से लटका हुआ है। सूचना मिलते ही महोली इंस्पेक्टर जेबी पांडे पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे। घटना की गंभीरता को देखते हुए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया, जिसने घटनास्थल से महत्वपूर्ण नमूने एकत्र किए हैं। जांच में जुटी पुलिस, पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया शव पुलिस ने शव का पंचनामा कर उसे पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि वे फिलहाल आत्महत्या के कारणों का पता लगाने में जुटे हैं लेकिन घटना के पीछे किसी अन्य पहलू की भी गहराई से जांच की जा रही है। नाबालिग लड़की की संदिग्ध मौत से गांव में मातम और भय का माहौल है।

बुलेट व एचएफ डीलक्स की टक्कर में तीन गंभीर घायल

लहरपुर, सीतापुर (संवाददाता)। लहरपुर क्षेत्र में रविवार को सुबह एक दर्दनाक सड़क दुर्घटना हो गई, जिसमें तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा लहरपुर–हरगांव मार्ग पर स्थित ओएनजीसी स्कूल के सामने, रानी फार्म के पास, लगभग सुबह 10 बजे हुआ। मिली जानकारी के अनुसार, दुर्घटना एक बुलेट मोटरसाइकिल और एक एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल की आमने–सामने की टक्कर के कारण हुई। टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइक सवार और एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से जख्मी हो गए। दुर्घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तत्काल एंबुलेंस की सहायता से लहरपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उनका उपचार जारी है। चिंताजनक खबर यह है कि घायलों में से एक की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का मुआयना किया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे इस मार्ग पर सावधानी से वाहन चलाएं।

आठ पीड़ितों के खाते में कुल 11.77 लाख रुपए कराए वापस

बांदा (संवाददाता)। पुलिस अधीक्षक पलाश बंसल के कुशल निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी साइबर अपराध बबेरु सौरभ सिंह के नेतृत्व में साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम द्वारा विभिन्न माध्यमों से साइबर धोखाधड़ी, गलत ट्रांजेक्शन का शिकार होने वाले 08 पीड़ितों के खाते में कुल 11.77 लाख रुपये वापस कराये गये। गौरतलब हो कि विभिन्न मामलों में साइबर ठगी का शिकार हुए व्यक्तियों के राशियों को वापस कराये जाने हेतु पुलिस अधीक्षक द्वारा साइबर थाना की टीम को दिशा निर्देश दिए गए थे जिसके क्रम में साइबर क्राइम पुलिस थाना की टीम द्वारा 08 व्यक्तियों के कुल 11 लाख 76 हजार 500 रुपये वापस कराए गए। जिनमें संतोष कुमार साहू पुत्र बदलू प्रसाद निवासी तिन्दवारी रोड करबा बबेरु के साथ साइबर अपराधियों द्वारा लोन दिलाने के नाम पर 8,07,183 रुपए की ठगी की गई थी। सुमित कुमार गुप्ता पुत्र हरिओम गुप्ता निवासी छोटी बाजार बन्योटा कोतवाली नगर के साथ साइबर अपराधियों द्वारा ट्रेडिंग के नाम पर 3,23,177 रुपए की ठगी की गई जबकि इस्लाहुद्दीन पुत्र कमरुद्दीन निवासी छावनी थाना कोतवाली नगर द्वारा 20000 रुपए, अमन कुमार गुप्ता पुत्र अशोक गुप्ता निवासी मढ़ियानाका थाना कोतवाली नगर द्वारा 7140 रुपए, हारुन रशीद पुत्र मोहम्मद शफी निवासी खाईपार थाना कोतवाली नगर द्वारा 6000 रुपए, सुशील कुमार निवासी करबा व थाना बिसंडा द्वारा 5000 रुपए, प्रद्युम्न सिंह पुत्र राजेन्द्र कुमार निवासी तिन्दवारी थाना कोतवाली नगर द्वारा 5000 रुपए एवं सौरभ तिवारी पुत्र रामराजा तिवारी निवासी गोखिया थाना अतर्रा द्वारा 3000 रुपये का गलत ट्रांजेक्शन किया गया था। सभी पीड़ितों द्वारा शिकायती दर्ज कराई गई थी। जिनका साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम द्वारा उनकी राशि बरामद कराई गई। सभी पीड़ितों द्वारा साइबर ठगी/गलत ट्रांजेक्शन की राशि वापस कराने के लिए पुलिस का ह्रदय से धन्यवाद दिया गया। साइबर क्राइम पुलिस थाना टीम में राजेश चन्द्र मिश्रा प्रभारी निरीक्षक साइबर क्राइम पुलिस थाना उप निरीक्षक आकाश शुक्ला कां0 धर्मेन्द्र कुमार म0आ0 ज्योति उपाध्याय शामिल रहे।

दर्दनाक हादसा : बाराबंकी के शख्स की सिधौली में मौत

सीतापुर (संवाददाता)। सिधौली थाना क्षेत्र में बीती रात एक सड़क हादसे में 55 वर्षीय एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान बाराबंकी जिले के घुंघटेर थाना अंतर्गत बाहरपुरवा जमुआ निवासी धर्मपाल उर्फ पप्पू के रूप में हुई है। वह अपने लड़के की ससुराल सदरापुर जा रहे थे। मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा छाजन और सरवा के बीच हुआ। बताया जा रहा है कि धर्मपाल नशे की हालत में गाड़ी चला रहे थे। इसी दौरान, उनकी गाड़ी अनियंत्रित हो गई और सड़क किनारे एक पटोरे (गड्ढे, ढलान) में जा फंसी। इस हादसे में गिरने से धर्मपाल के सिर में गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। सुबह मिली सूचना, पुलिस टीम मौके पर सुबह होने पर सुधीर नामक एक व्यक्ति ने सिधौली कोतवाल बलवंत साही को घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाल बलवंत साही तत्काल अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। टीम में क्राइम इंस्पेक्टर राममनी यादव, प्रमोद यादव, विजय सिंह, ऋषि यादव, वेदपाल यादव और दयानंद झा शामिल थे। पुलिस टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया और फोरेंसिक टीम को जांच के लिए बुलाया। फोरेंसिक जांच जारी, शव पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर बारीकी से जांच की। पुलिस ने धर्मपाल के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के अनुसार, प्रथम .ष्टया यह मामला सड़क दुर्घटना का प्रतीत होता है।

मवई की गौशाला में कैद गोवंश भूख प्यास से तोड़ रहे दम

बांदा (संवाददाता) बड़ोखर खुर्द ब्लॉक के ग्राम पंचायत मवई बुजुर्ग में स्थित गौशाला की हालत अत्यंत दयनीय है। गौशाला में गौवंश के लिए न तो पर्याप्त भोजन दिया जाता है और न ही पानी । केयरटेकर ने बताया कि तीन दिन से मोटर खराब पड़ा है जिसके कारण पानी की टंकी में पानी नहीं भर पा रहा है, जिससे सभी गौवंश वही के गंदे नाले का पानी पीने को मजबूर हैं। गंदा पानी पीने से गौवंश बीमार हो रहे हैं और इसके बाद गौवंशो की मौत हो रही है आज भी एक गौवंश का बछड़ा बीमार गौशाला के ही अंदर पड़ा रहा। वही कीचड़ भरे मैदान पर गौवंश रहने को मजबूर हैं। गौशाला में गौवंश की स्थिति इतनी खराब है कि वे भूख और प्यास से मर रहे हैं। केयरटेकर ने बताया कि जो गौवंश बीमार होकर मर जाते हैं ।

दक्षिण अफ्रीका ने जीता टास, फाइनल में भारत को पहले बल्लेबाजी की चुनौती

(एजेंसी) नई दिल्ली। महिला विश्व कप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर भारत को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया है। बारिश के कारण देरी के बाद मैच शुरू हुआ, जहां भारत को ओस की अहम भूमिका को देखते हुए औसत से कहीं ज्यादा रन बनाने होंगे। यह भारतीय महिला टीम के लिए पहला विश्व कप खिताब जीतने का ऐतिहासिक अवसर है।भारतीय महिला टीम 2025 महिला विश्व कप के फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं से भिड़ रही है। दक्षिण अफ्रीका की महिलाओं ने टॉस जीतकर क्षेत्ररक्षण का फैसला किया है। फाइनल के लिए दोनों टीमों में कोई बदलाव नहीं है। भारत को औसत से कुछ ज्यादा रन बनाने होंगे क्योंकि शाम को ओस की अहम भूमिका होगी। मैच पहले दोपहर 3रू00 बजे शुरू होना था और टॉस दोपहर 2रू30 बजे होना था। हालाँकि, बारिश के कारण टॉस और मैच में देरी हुई और अब दोनों के लिए अंतिम समय जारी कर दिया गया है। कोई भी ओवर कम नहीं किया जाएगा।क्रिकेट की दुनिया महिला वनडे क्रिकेट में एक नए विश्व चौंपियन के ताजपोशी का गवाह बनेगी। अपना तीसरा वनडे विश्व कप फाइनल खेल रही भारत, 2005 और 2017 के फाइनल में मिली हार के दर्द को कम करने और महिला क्रिकेट में अपना पहला विश्व खिताब हासिल करने के लिए बेहद प्रेरित होगी, खासकर उसी मैदान पर सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 339 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने के बाद, जिसमें जेमिमा रोड्रिग्स (127') और कप्तान हरमनप्रीत कौर (89) ने शानदार पारियाँ खेली थीं।

भारत ने आस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराया, सीरीज में 1-1 की बराबरी, सुंदर और अर्शदीप रहे जीत के हीरो

(एजेंसी) नई दिल्ली। भारत ने तीसरे टी20 में ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 1—1 की बराबरी की। वॉशिंगटन सुंदर की तूफानी बल्लेबाजी और अर्शदीप सिंह की प्रभावी गेंदबाजी इस जीत के मुख्य आधार रहे, जिसने टीम इंडिया को सीरीज में मजबूत वापसी दिलाई।होबार्ट में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से हराकर सीरीज में धमाकेदार वापसी की है। 5 मैचों की इस टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने अब 1—1 से बराबरी कर ली है। भारत की इस रोमांचक जीत के हीरो अर्शदीप सिंह और वॉशिंगटन सुंदर रहे।ऑस्ट्रेलिया द्वारा दिए गए 187 रनों के लक्ष्य को भारत ने 9 गेंदें शेष रहते हासिल कर लिया। 19वें ओवर में जितेश शर्मा ने विनिंग चौका लगाकर टीम को जीत दिलाई। लक्ष्य का पीछा करते हुए वॉशिंगटन सुंदर ने तूफानी पारी खेली और भारत को जीत की दहलीज तक पहुँचाया। अर्शदीप सिंह ने अपनी शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया था।

होबार्ट में टूटा ऑस्ट्रेलिया का रिकॉर्डयह टी20 इंटरनेशनल में होबार्ट के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया की पहली हार है। कंगारू टीम ने इससे पहले इस मैदान पर खेले गए अपने सभी 5 टी20 मुकाबले जीते थे। दिलचस्प बात यह है कि भारतीय टीम इस मैदान पर अपना पहला टी20 इंटरनेशनल मैच खेलने उतरी थी और उसने ऑस्ट्रेलिया की विनिंग स्ट्रीक को तोड़ दिया।ऑस्ट्रेलिया की पारीऑस्ट्रेलिया ने मार्कस स्टोइनिस और टिम डेविड के शानदार अर्धशतकों की बदौलत 186 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया था। डेविड ने केवल 38 गेंदों में 8 चौकों और 5 छक्कों की मदद से 74 रन की धुआंधार पारी खेली।मार्कस स्टोइनिस ने भी 64 रन बनाए, जिसमें 8 चौके और 2 छक्के शामिल थे। इनके अलावा, मैथ्यू शॉर्ट ने 26 रनों का योगदान दिया, लेकिन बाकी बल्लेबाज ज्यादा देर नहीं टिक पाए।

भारत का राजकोषीय घाटा अप्रैल-सितंबर अवधि में पूरे वर्ष के लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत रहा

नई दिल्ली ,02 नवंबर। भारत का राजकोषीय घाटा चालू वित्त वर्ष के पहले छह महीनों (अप्रैल—सितंबर अवधि) में 5.73 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पूरे वर्ष के लिए बजट में निर्धारित लक्ष्य का 36.5 प्रतिशत है। यह जानकारी शुक्रवार को सरकार की ओर से जारी किए गए डेटा में दी गई। आंकड़ों के मुताबिक, राजकोषीय घाटा फिलहाल नियंत्रण में है और इससे अर्थव्यवस्था के लिए स्थिर वृद्धि का रास्ता तैयार होता है।अप्रैल से सितंबर के दौरान कुल प्राप्तियां 17.30 लाख करोड़ रुपए रही हैं जबकि कुल व्यय 23.03 लाख करोड़ रुपए रहा। यह 2025—26 के बजट में निर्धारित लक्ष्य का क्रमशरू 49.5 प्रतिशत और 45.5 प्रतिशत था।राजस्व प्राप्तियां 16.95 लाख करोड़ रुपए रही हैं जिनमें से कर राजस्व 12.29 लाख करोड़ रुपए और गैर—कर राजस्व 4.66 लाख करोड़ रुपए रहा।भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा केंद्र सरकार को 2.69 लाख करोड़ रुपए का लाभांश स्वीकृत किए जाने से गैर—कर राजस्व में वृद्धि हुई, जो पिछले वर्ष के ट्रांसफर 2.11 लाख करोड़ रुपए से अधिक है। इससे केंद्र सरकार को अपने राजकोषीय घाटे को और कम करने में मदद मिलेगी।कुल सरकारी खर्च अप्रैल—सितंबर अवधि में 23 लाख करोड़ रुपए रहा है, जो कि पिछले साल की समान अवधि में 21.1 लाख करोड़ रुपए था।यह राजमार्गों, बंदरगाहों और रेलवे क्षेत्रों में बड़ी इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं पर सरकार के बढ़ते खर्च को दर्शाता है, जो भू—राजनीतिक घटनाक्रमों और अमेरिकी टैरिफ उथल—पुथल से उत्पन्न बढ़ती आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच देश में आर्थिक विकास को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।केंद्र सरकार ने वित्त वर्ष 2025 के बजट में राजकोषीय घाटे का लक्ष्य सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का 4.9 प्रतिशत रखा है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 5.6 प्रतिशत था।घटता राजकोषीय घाटा अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है। इससे सरकार की उधारी में कमी आती है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में कॉर्पोरेट और उपभोक्ताओं को ऋण देने के लिए अधिक धनराशि बचती है, जिससे आर्थिक विकास में तेजी आती है।

अमेरिका में 4000 करोड़ रुपए का बड़ा वित्तीय घोटाला, भारतीय मूल के सीईओ घेरे मेंय ब्लैंक राक ने ठोका मुकदमा

(एजेंसी) न्यूयॉर्क ,02 नवंबर। अमेरिका के दूरसंचार क्षेत्र में काम करने वाली एक कंपनी 50 करोड़ डॉलर (लगभग 4,000 करोड़ रुपये) के वित्तीय घोटाले को लेकर अचानक सुर्खियों में आ गई है। इस पूरे विवाद के केंद्र में भारतीय मूल के सीईओ बंकिम ब्रह्मभट्ट हैं, जो अमेरिका में 'ब्रॉडबैंड टेलीकॉम' और 'ब्रिजवॉइस' नाम की कंपनियों के मालिक हैं।अमेरिकी अखबार 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया की सबसे बड़ी निवेश फर्मों में से एक ब्लैकरॉक इंक (क्चद्यड्डष्द्मक्रशष्द्म ढ्ढठ्ठष्.) की एक इकाई और कुछ अन्य बड़े ऋणदाता (ह्यद्गठ्ठस्न्दगह्मह्य) अब ब्रह्मभट्ट से अपने करोड़ों डॉलर वापस पाने की कोशिश कर रहे हैं। इन ऋणदाताओं ने अगस्त में अदालत में मुकदमा दायर किया था, जिसमें दावा किया गया कि ब्रह्मभट्ट की कंपनियों पर उनका 50 करोड़ डॉलर से अधिक का बकाया है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सौदे में फ्रांस के बड़े बैंक बीएनपी परिबास (क्चहृक्क क्कड्डह्म्द्बड्डह्य) ने भी भूमिका निभाई थी। बताया जा रहा है कि इस बैंक ने ब्लैकरॉक की एक सहयोगी इकाई को बंकिम ब्रह्मभट्ट के डेब्ट फाइनेंसिंग (ऋण) में मदद की थी। हालांकि, बीएनपी परिबास ने इस मामले पर कोई टिप्पणी नहीं की है।यह पूरा मामला 'एसेट—बेस्ड फाइनेंसिंग' (ह्यह्यद्गह्ल—ड्ढड्डह्यद्गस्र स्नद्बठ्ठड्डठ्ठष्द्बठ्ठद्द) नाम के एक खास प्रकार के ऋण सौदे से जुड़ा है। इस सिस्टम में कंपनियां अपने व्यवसाय से आने वाले निश्चित राजस्व या ग्राहकों से मिलने वाली रकम को संपार्श्विक (गारंटी) के रूप में रखकर कर्ज लेती हैं।आम तौर पर यह तरीका सुरक्षित माना जाता है, क्योंकि उधार देने वाली संस्था के पास किसी वास्तविक संपत्ति के रूप में गारंटी होती है। लेकिन हाल के वर्षों में इस सेक्टर में तेजी से बढ़ोतरी हुई है और इसके साथ ही धोखाधड़ी और घाटों की घटनाएं भी सामने आने लगी हैं।वहीं, बंकिम ब्रह्मभट्ट ने इन सभी आरोपों से साफ इनकार किया है। उनके वकील का कहना है कि यह मामला केवल ष्व्यावसायिक असहमतिष का है, इसमें किसी तरह की धोखाधड़ी या जानबूझकर की गई गड़बड़ी नहीं है। फिलहाल यह मामला अमेरिकी अदालत में विचाराधीन है और जांच जारी है।यह विवाद इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि इसमें दुनिया की सबसे बड़ी निवेश कंपनी ब्लैकरॉक, फ्रांस का बड़ा बैंक बीएनपी परिबास और एक भारतीय मूल का उद्यमी, तीनों शामिल हैं। यह घटना अमेरिकी ऋण बाजार के उस हिस्से पर भी सवाल खड़े करती है, जो अब तक काफी हद तक नियामक निगरानी से बाहर रहा है।

कोल इंडिया का उत्पादन अक्टूबर में 9.8 प्रतिशत घटा

(एजेंसी) नई दिल्ली ,02 नवंबर।कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल—अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है।देश की प्रमुख कोयला उत्पादक कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड का अक्टूबर 2025 में उत्पादन सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5.64 करोड़ टन रह गया। कंपनी द्वारा शनिवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर माह के दौरान कोयले का वितरण भी 5.9 प्रतिशत घटकर 5.83 करोड़ टन रह गया। अप्रैल—अक्टूबर 2025 के दौरान कंपनी का संचयी उत्पादन 38.53 करोड़ टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि से 4.5 प्रतिशत कम है। इस बीच, कोल इंडिया ने सनोज कुमार झा को अंतरिम चेयरमैन—सह—प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। यह नियुक्ति एक नवंबर से प्रभावी हो गई।

उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि दर सितंबर में घटकर 7.3 प्रतिशत रही: आरबीआई

(एजेंसी) नई दिल्ली । सितंबर महीने में बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।सितंबर में उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि घटकर 7.3 प्रतिशत रह गई, जो पिछले

साल इसी अवधि में 8.9 प्रतिशत थी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई।आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 19 सितंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर—खाद्य बैंक ऋण में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के इसी पखवाड़े (20 सितंबर, 2024) के दौरान यह 13 प्रतिशत थी।

केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय आवंटन पर आंकड़े जारी किए हैं, जो 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों से जमा किए हैं। ये ऋण सभी बैंकों के कुल गैर—खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हैं।सितंबर महीने में बैंक ऋण के क्षेत्रवार आवंटन पर जारी रिपोर्ट के मुताबिक, उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। सूक्ष्म, लघु तथा मध्यम उद्योगों (एमएसएमई) को दिए गए ऋण में दहाई अंकों में वृद्धि जारी रही।प्रमुख उद्योगों में इंजीनियरिंग, बुनियादी ढांचा, वस्त्र, और वाहन को दिए गए ऋण में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा कृषि और संबद्ध गतिविधियों को दिए गए ऋण में सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। यह आंकड़ा पिछले वर्ष के इसी पखवाड़े में 16.4 प्रतिशत था।आंकड़ों से पता चला कि सेवा क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। गैर—बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि धीमी रही।दूसरी ओर पर्यटन, होटल और रेस्तरां, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वाणिज्यिक अचल संपत्ति जैसे क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि देखी गई। आरबीआई ने कहा कि व्यक्तिगत ऋण क्षेत्र में सालाना 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि एक साल पहले यह 13.4 प्रतिशत थी।

भारत 2030 तक 30 करोड़ टन क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करेगा : केंद्रीय मंत्री

(एजेंसी) नई दिल्ली ,02 नवंबर। केंद्रीय स्टील राज्य मंत्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा ने शुक्रवार को कहा कि भारत का लक्ष्य 2030 तक 30 करोड़ टन क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता हासिल करना है।स्वीडन के ऊर्जा, व्यापार और उद्योग मंत्री की स्टेट सेक्रेटरी सारा मोडिग के साथ राष्ट्रीय राजधानी में एक बैठक में केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत के बढ़ते स्टील क्षेत्र का जिक्र किया, इस बैठक में भारत में स्वीडिश राजदूत जान थेस्लेफ और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे।स्टील मंत्रालय के अनुसार, बड़े पैमाने की इन्फ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के कारण भारत की घरेलू स्टील मांग 11—13 प्रतिशत की प्रभावशाली दर से बढ़ रही है, जबकि वैश्विक मांग में कमजोरी देखने को मिल रही है।इस बैठक में कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए ग्रीन स्टील प्रोडक्शन और अन्य एडवांस टेक्नोलॉजी में रिसर्च एवं डेवलपमेंट के क्षेत्र में सहयोग के अवसरों का पता लगाने के लिए चर्चा हुई।केंद्रीय मंत्री ने स्वीडन को भारत स्टील 2026 में भाग लेने के लिए दिए गए निमंत्रण की पुनरू पुष्टि की। यह स्टील इंडस्ट्री को समर्पित एक इंटरनेशनल—कम—एग्जीबिशन है जिसका आयोजन 16—17 अप्रैल, 2026 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में किया जाएगा।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कि इस वर्ष सितंबर में भारत के आठ प्रमुख उद्योगों की वृद्धि दर पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 3 प्रतिशत रही है। इस दौरान इस्पात और सीमेंट सेक्टर का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा।मंत्रालय की ओर से जारी डेटा में बताया गया कि सरकार द्वारा संचालित बड़ी बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की बढ़ती मांग के कारण सितंबर में स्टील उत्पादन में पिछले वर्ष के इसी महीने की तुलना में 14.1 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि हुई है। 2025—26 के अप्रैल से सितंबर के दौरान इस्पात की संचयी वृद्धि पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक रही।

उत्तराखंड में अगले एक साल में 10-12 हजार सरकारी नौकरियां दी जाएंगी: मुख्यमंत्री धामी

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 2023 में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद से अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर फंड बनाया गया है।

(एजेंसी) नई दिल्ली ,02 नवंबर।उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को कहा कि पिछले चार साल में प्रदेश में 26 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी गई हैं और अगले एक साल में यह आंकड़ा 36 से 38 हजार तक पहुंच जाएगा।उत्तराखंड राज्य स्थापना के रजत जयंती समारोह की शुरूआत पर यहां एक संवाददाता सम्मेलन में मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में पिछले चार साल में 26 हजार से अधिक सरकारी नौकरियां दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा, कुछ परीक्षाएं हो चुकी हैं, जिनका परीक्षाफल घोषित होना है। यह सब मिलाकर अगले एक साल के अंदर 10कृ12 हजार भर्तियां और की जाएंगी।धामी ने कहा कि नौ नवंबर को उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 साल पूरे कर रहा है और राज्य की उपलब्धियों के बारे में बताने का यह सबसे सही समय है। उन्होंने इस संबंध में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने वाला देश का पहला राज्य बनने, सशक्त भूमि कानून, जबरन धर्मांतरण विरोधी कानून, दंगा रोधी कानून, नकल विरोधी कानून, राज्य के लिए आंदोलन करने वालों को सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत तथा महिलाओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का जिक्र किया।मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 2023 में हुए वैश्विक निवेशक सम्मेलन के बाद से अब तक एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उन्होंने कहा कि स्टार्टअप के लिए 200 करोड़ रुपये का वेंचर फंड बनाया गया है।उन्होंने कहा कि राज्य के गठन के बाद से अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है और प्रति व्यक्ति आय में 17 गुना वृद्धि हुई है। इसके साथ ही 2025कृ26 में राज्य के इतिहास में पहली बार एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का बजट पेश हुआ। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अंत्योदय योजना के तहत 1.85 लाख परिवारों को साल में तीन रसोई गैस सिलेंडर दिए जा रहे हैं, जबकि 1.65 लाख महिलाएं लखपति दीदी योजना से आत्मनिर्भर बनी हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि केदारनाथ भव्य और दिव्य रूप ले रहा है और एक साल के अंदर वहां सभी निर्माण कार्य पूरा करने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि इसी प्रकार बदरीनाथ में 300 करोड़ रुपये की धनराशि से मास्टर प्लान का काम हो रहा है, जबकि केदारनाथ और हेमकुंड जाने के लिए रोपवे का निर्माण भी शुरू होने वाला है।उन्होंने कहा कि कुमांऊ के 48 पौराणिक मंदिरों और गुरूद्वारों को एक सर्किट के रूप में जोड़कर उनके निर्माण को आगे बढ़ाया जा रहा है और दिल्लीकृदेहरादून एलीवेटेड रोड का काम भी अंतिम चरण में पहुंच गया है। इसके पूरा होने के बाद दोनों शहरों के बीच का सफर दोकृढाई घंटे का रह जाएगा। उन्होंने कहा कि ऋषिकेश—कर्णप्रयाग रेल लाइन का काम भी 70 प्रतिशत पूरा हो चुका है।

गडकरी ने उद्योग निकाय के सामने विदर्भ में पांच वर्षो में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा

(एजेंसी) नई दिल्ली ,02 नवंबर।एआईडी के संरक्षक गडकरी ने कहा, हमने अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। विदर्भ के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पांच हजार युवाओं को नागपुर स्किल सेंटर में कौशल प्रशिक्षण मिलेगा।केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को एक स्थानीय उद्योग निकाय के सामने महाराष्ट्र के विदर्भ क्षेत्र में अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा। उन्होंने कहा कि यह लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन इसे हासिल किया जा सकता है।गडकरी नागपुर स्किल सेंटर के शुभारंभ पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे। यह केंद्र नागपुर नगर निगम, टाटा ट्रस्ट की कौशल विकास पहल — टाटा स्ट्राइव और विदर्भ ग्लोबल फाउंडेशन के सहयोग से औद्योगिक विकास संघ (एआईडी) की एक पहल है।एआईडी के संरक्षक गडकरी ने कहा, हमने अगले पांच वर्षों में पांच लाख रोजगार सृजित करने का लक्ष्य रखा है। विदर्भ के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से पांच हजार युवाओं को नागपुर स्किल सेंटर में कौशल प्रशिक्षण मिलेगा।सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री ने कहा, कौशल प्रशिक्षण और पांच वर्षों में पांच लाख नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य बहुत बड़ा है, फिर भी इसे प्राप्त किया जा सकता है। गडकरी ने कहा कि विनिर्माण और औद्योगिक क्षेत्रों के अलावा पर्यटन, आतिथ्य, खनन, हथकरघा, हस्तशिल्प और कृषि में युवाओं को बड़ी संख्या में रोजगार देने की क्षमता है।

ऐशबाग में युवक पानी की टंकी पर चढ़ा, पुलिस ने आरपीएफ को सौंपा

(संवाददाता) लखनऊ। राजधानी लखनऊ के ऐशबाग रेलवे स्टेशन के पास उस समय अफरा–तफरी मच गई जब एक युवक अचानक ऊंची पानी की टंकी पर चढ़ गया। रविवार सुबह देखते ही देखते लोगों की भीड़ जमा हो गई और मौके पर सूचना पाकर पुलिस पहुंची। करीब आधे घंटे की समझाइश के बाद पुलिस ने युवक को सुरक्षित नीचे उतारा। घटना रविवार सुबह की बताई जा रही है। ऐशबाग रेलवे स्टेशन के पास स्थित पानी की टंकी पर अचानक एक युवक चढ़ गया। राहगीरों ने जब यह नजारा देखा तो तुरंत इसकी जानकारी गुलजार नगर चौकी पुलिस को दी। कुछ देर में मौके पर पुलिस टीम पहुंची तो युवक लगभग टंकी के शीर्ष तक पहुंच चुका था। पुलिस ने तुरंत आसपास का इलाका खाली कराया और युवक को नीचे उतारने के प्रयास शुरू किए। काफी देर तक युवक ऊपर बैठा रहा और नीचे आने से मना करता रहा। मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने धैर्यपूर्वक उससे बातचीत की और शांतिपूर्वक उसे नीचे उतरने के लिए मनाया। आखिरकार पुलिस की समझाइश काम आई और युवक सुरक्षित नीचे उतर आया। घटना की जानकारी मिलते ही आसपास के लोगों की बड़ी संख्या मौके पर जुट गई थी। कई लोग वीडियो और फोटो लेने लगे, जिससे अफरा–तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने एहतियातन पूरे इलाके को घेराबंदी कर भीड़ को हटाया ताकि कोई अप्रिय घटना न हो। करीब एक घंटे की मशक्कत के बाद हालात सामान्य हुए और युवक को सुरक्षित नीचे उतार लिया गया। समय रहते पुलिस के पहुंचने और शांतिपूर्वक की गई कार्रवाई से बड़ी दुर्घटना टल गई। स्थानीय लोगों ने भी पुलिस की सूझबूझ की सराहना की। पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करके बताया–युवक की पहचान अभिराम (18) के रूप में हुई। वह उड़ीसा के अनाथ आश्रम का रहने वाला है। माता–पिता और परिजन के बारे में कोई जानकारी नहीं बता पा रहा है। वह मंदबुद्धि प्रतीत हो रहा है। चौकीदार को टंकी की सीढ़ियों में ताला बंद रखने को कहा गया है। युवक को आरपीएफ को सौंप दिया गया।

बीबीएयू के विधि छात्रों ने राष्ट्रीय मूट कोर्ट प्रतियोगिता में किया उत्कृष्ट प्रदर्शन, प्रथम स्थान प्राप्त कर बढ़ाया विश्वविद्यालय का गौरव

लखनऊ (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (बीबीएयू) के स्कूल ऑफ लीगल स्टडीज के विधि विभाग के विद्यार्थियों ने एक बार फिर विश्वविद्यालय का नाम राष्ट्रीय स्तर पर

रोशन किया है। विभाग की छात्रा अंजु बाला (चतुर्थ वर्ष), आयुष सिंह (चतुर्थ वर्ष) और अविरल द्विवेदी (द्वितीय वर्ष) की टीम ने इंदौर में आयोजित तृतीय डॉ. के. एल. ठकुराल मेमोरियल नेशनल मूट कोर्ट प्रतियोगिता, 2025 में प्रथम स्थान प्राप्त किया।यह प्रतियोगिता ओरिएंटल यूनिवर्सिटी, इंदौर के फैकल्टी ऑफ लॉ द्वारा आयोजित की गई थी, जिसमें देशभर के विभिन्न विश्वविद्यालयों की टीमों ने भाग लिया। बीबीएयू की टीम ने अपने तर्क, प्रस्तुतीकरण और कानूनी कौशल के आधार पर निर्णायक मंडल को प्रभावित करते हुए शीर्ष स्थान हासिल किया।विजेता टीम को 30,000 रुपये की नकद राशि और ट्रॉफी प्रदान की गई। पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति आई. एस. श्रीवास्तव ने विजेताओं को सम्मानित किया।इसके अतिरिक्त, बीबीएयू की छात्रा अंजु बाला को उनके प्रभावशाली प्रदर्शन के लिए 'सर्वश्रेष्ठ वक्ता' का खिताब प्रदान किया गया, जिसके अंतर्गत उन्हें 5,000 रुपये की नकद राशि दी गई।इस उपलब्धि से बीबीएयू के विधि विभाग में उत्साह का माहौल है। संकाय सदस्यों ने विद्यार्थियों की इस सफलता को मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट मार्गदर्शन का परिणाम बताया है तथा भविष्य में भी इसी तरह विश्वविद्यालय का नाम रोशन करने की शुभकामनाएँ दी हैं।

रेलवे कालोनी स्थित पानी की टंकी पर चढ़े युवक को पुलिस ने सकुशल उतारा

लखनऊ (संवाददाता)। थाना बाजारखाला क्षेत्र के चौकी गुलजारनगर अंतर्गत रविवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया जब एक अज्ञात युवक रेलवे कॉलोनी में स्थित पानी की टंकी के ऊपर चढ़ गया। सूचना मिलते ही थाना स्थानीय पुलिस तत्काल मौके पर पहुँची और सूझबूझ के साथ कार्रवाई करते हुए युवक को सकुशल नीचे उतार लिया।प्रथमदृष्टया पूछताछ में युवक ने अपना नाम अभिराम, उम्र लगभग 18 वर्ष, बताया। वह उड़ीसा राज्य के एक अनाथ आश्रम में रहने वाला है तथा अपने मातादृपिता या परिजनों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सका। पुलिस के अनुसार युवक मंदबुद्धि प्रतीत हो रहा है।घटना के बाद संबंधित टंकी के चौकीदार को निर्देश दिए गए कि भविष्य में ऐसी स्थिति पुनः न उत्पन्न हो, इसके लिए टंकी की सीढ़ियों पर ताला लगाकर बंद किया जाए और सतत निगरानी रखी जाए।पुलिस ने उक्त युवक को सकुशल रेलवे सुरक्षा बल (त्ध्) के सुपुर्द कर दिया। मौके पर स्थिति पूर्णतः शांत एवं नियंत्रण में रही।

भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश की सांस्कृतिक झलक बिखेर रहा पर्यटन एवं संस्कृति विभाग

लखनऊ (संवाददाता)। सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर गुजरात के एकता नगर में 1 से 15 नवंबर तक आयोजित भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग अपनी प्रभावशाली उपस्थिति से देशभर का ध्यान आकर्षित कर रहा है। इस भव्य आयोजन में उत्तर प्रदेश अपनी अमूल्य सांस्कृतिक विरासत, लोक–परंपराओं और पर्यटन विविधता को एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना के साथ प्रस्तुत कर रहा है। यह जानकारी उत्तर प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी।मंत्री ने बताया कि भारत पर्व 2025 में उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति, लोक–कला, संगीत और पारंपरिक व्यंजनों का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। पर्यटन विभाग के स्टॉल पर आगंतुकों को राज्य के विभिन्न पर्यटन स्थलों की सचित्र जानकारी दी जा रही है, जो राष्ट्रीय एकता, सांस्कृतिक विविधता और सामूहिक गौरव का संदेश दे रही है।भारत पर्व हर साल आयोजित होने वाला एक वार्षिक आयोजन है, जिसमें देश के सभी राज्य अपनी सांस्कृतिक विरासत, कला और खानपान परंपरा को प्रदर्शित करते हैं। इस वर्ष यह पर्व स्टैच्यू ऑफ यूनिटी परिसर में हो रहा है, जहां उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की सरकारों के प्रतिनिधि, लोकप्रिय कलाकार, कारीगर और विशिष्ट अतिथि 15 दिवसीय उत्सव के दौरान अपनी प्रस्तुतियों से कार्यक्रम की शोभा बढ़ा रहे हैं।आगामी दिनों में भारत पर्व के मंच पर उत्तर प्रदेश अपनी अद्भुत सांस्कृतिक विरासत की झलक पेश करेगा। प्रदेश के विभिन्न अंचलों के कलाकार ब्रज की रसधारा, अवध की विरासत, बुंदेलखंड की वीरता और पूर्वांचल की लोकधुनों के रंगों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। पाई डंडा, चरकुला, फरुवाही, थारू, बधावा और ढेढ़िया जैसे पारंपरिक नृत्यों की प्रस्तुतियां 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की भावना को सजीव रूप देंगी।मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश से भेजे गए 12 विधाओं के 72 कलाकार पारंपरिक और शास्त्रीय कलाओं की प्रस्तुति देंगे। इन प्रस्तुतियों में शहनाई, शंख, डमरू, कथक, मयूर और राई नृत्य जैसी विविधा विधाएं शामिल हैं। उत्तर प्रदेश के कलाकार 12 नवंबर को सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे।भारत पर्व में हस्तशिल्प, फूड स्टॉल, कठपुतली शो, स्टूडियो किचन और थीम पेविलियन जैसी आकर्षक गतिविधियां भी दर्शकों का मन मोह रही हैं। उत्तर प्रदेश का स्टॉल अयोध्या के श्रीराम मंदिर, वाराणसी के काशी विश्वनाथ धाम, मथुरा के श्रीकृष्ण जन्मभूमि मंदिर, दीपोत्सव, देव दीपावली और रंगोत्सव जैसे आयोजनों की भव्यता को प्रदर्शित कर रहा है।

भारत में ग्रासरूट खेलों को नई दिशा देने की पहल एथराइज ने आयोजित किया 'CoachCraft 25'

लखनऊ (संवाददाता)। भारत के ग्रासरूट खेल परिदृश्य को नई दिशा देने के उद्देश्य से एथराइज ने शनिवार को 'ब्बंबीब्तंजि 25' कार्यक्रम का आयोजन किया। यह आयोजन गोमती नगर स्थित सैवी ग्रैंड में हुआ, जिसमें लखनऊ के 50 से अधिक स्कूलों और अकादमियों से आए 100 से ज्यादा कोचों ने भाग लिया।कार्यक्रम पूरी तरह स्कूल और अकादमी कोचों को समर्पित था, जो भारत के भविष्य के खिलाड़ियों को तैयार करने में अहम भूमिका निभाते हैं। इसमें पैनल चर्चा, ओपन हाउस इंटरएक्शन और मनोरंजक टीम गतिविधियाँ आयोजित की गईं जिनका उद्देश्य कोचों के बीच संवाद, सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देना था।एथराइज के संस्थापक एवं सीईओ निखिल कुमार ने अपने संबोधन में संगठन के विजन और रोडमैप को साझा करते हुए कहा, "हमारा लक्ष्य स्कूलों और कोचों को सशक्त बनाना है ताकि भारत में खेल प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत और विकसित प्रणाली बनाई जा सके। हमारा फोकस स्कूल स्तर से लेकर पेशेवर खेलों तक स्पष्ट प्रगति का रास्ता तैयार करना है।"कार्यक्रम में एथराइज के सलाहकार एवं पूर्व क्मदजेन और ।कवइम कार्यकारी होसे लियोन ने फिटनेस को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा, "भारत में फिटनेस और खेल के प्रति बढ़ती जागरूकता के साथ अब ब्रांड्स और स्पॉन्सर्स ग्रासरूट स्तर पर खिलाड़ियों को पहचान रहे हैं कृ यह बदलाव बेहद उत्साहजनक है।"स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट और रिहैबिलिटेशन विशेषज्ञ योगेश शेट्टी ने अपने सत्र में कहा, "खेल में सफलता केवल शारीरिक क्षमता पर नहीं, बल्कि मन और रिकवरी के संतुलन पर भी निर्भर करती है।"कार्यक्रम के दौरान आयोजित मनोरंजक टीम गतिविधियों ने कोचों के बीच सौहार्द और आपसी समझ को और मजबूत किया।इस अवसर पर एथराइज ने आगामी 'एथराइज चैम्पियनशिप 2025 दृ लखनऊ' की घोषणा भी की। यह स्कूल–स्तरीय मल्टी–स्पोर्ट प्रतियोगिता 28 नवम्बर 2025 से शुरू होगी। एथलेटिक्स इवेंट्स 35 च।ब महानगर सिंथेटिक ट्रैक पर 28 से 30 नवम्बर तक, जबकि बैडमिंटन और चेस प्रतियोगिताएँ ठठक बैडमिंटन अकादमी में 5 से 7 दिसम्बर तक आयोजित की जाएँगी।कार्यक्रम का समापन प्रेरणादायक माहौल में हुआ, जहाँ उपस्थित कोचों ने भारत के खेल तंत्र को मजबूत बनाने और युवा खिलाड़ियों को बेहतर अवसर प्रदान करने के अपने संकल्प को दोहराया।

लखनऊ नगर निगम की सख्त कार्रवाई, बिना ट्रेड लाइसेंस संचालित 9 शराब दुकानों और बारों को किया गया सील

लखनऊ (संवाददाता)। नगर आयुक्त गौरव कुमार के निर्देश पर नगर निगम लखनऊ ने बिना ट्रेड लाइसेंस संचालित होने वाले व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ सख्त अभियान शुरू कर दिया है। निगम प्रशासन ने सभी जोनों को निर्देशित किया है कि जिन प्रतिष्ठानों ने अभी तक ट्रेड लाइसेंस नहीं बनवाया है, उनके विरुद्ध त्वरित कार्रवाई की जाए। इसी क्रम में रविवार को जोन 4 की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नौ शराब और बीयर की दुकानों व बारों को सील कर दिया।जोन 4 क्षेत्र में हुसडिया चौराहा, कमता, साइबर हाइट्स, अहिमामऊ बाजार और पलासियो मॉल जैसे प्रमुख स्थलों पर यह कार्रवाई की गई। टीम ने विराम खंड–1 हुसडिया चौराहे के पास स्थित मॉडल शॉप, कमता विक्रांत खंड मॉडल शॉप, साइबर हाइट्स स्थित जाओ बार और जलवा बार को सील किया। इसके अलावा पलासियो मॉल में दो लिकर शॉप्स, अहिमामऊ बाजार स्थित अंग्रेजी शराब और बीयर शॉप तथा मल्हौर की एक मॉडल शॉप को भी बंद किया गया। हालांकि, इनमें से कुछ प्रतिष्ठानों ने रविवार शाम तक अपने लाइसेंस शुल्क का भुगतान कर दिया, जिसके बाद नियमानुसार उन्हें खोलने की अनुमति दी गई।नगर निगम प्रशासन का कहना है कि इस अभियान का उद्देश्य शहर की व्यावसायिक गतिविधियों को नियमन में लाना और निगम के राजस्व संग्रह को सुदृढ़ बनाना है। नगर निगम अधिनियम के अनुसार प्रत्येक व्यवसायिक प्रतिष्ठान कृ चाहे वह होटल, बार, नर्सिंग होम, क्लीनिक या औद्योगिक इकाई हो कृ के लिए ट्रेड लाइसेंस अनिवार्य है।नर्सिंग होम, प्रसूतिगृह, होटल, गेस्ट हाउस, रेस्टोरेंट, पैथोलॉजी लैब, एक्स–रे सेंटर, आयुर्वेदिकध्होम्योपैथिक क्लीनिक, आइसक्रीम निर्माण इकाइयां, बीयर शॉप, मॉडल शॉप और शराब की दुकानें जैसे सभी व्यवसायों के लिए ट्रेड लाइसेंस आवश्यक है।इस कार्रवाई का नेतृत्व जोन 4 के जोनल अधिकारी संजय यादव ने किया। उनके साथ टैक्स सुपरिंटेंडेंट अनुराग उपाध्याय, बनारसी दास, टैक्स इंस्पेक्टर अजय वर्मा, विशाल श्रीवास्तव, लाइसेंसिंग विभाग की टीम और ईटीएफ के सदस्य मौजूद रहे। कार्रवाई पुलिस बल की उपस्थिति में संपन्न हुई।नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा और जिन प्रतिष्ठानों के पास लाइसेंस नहीं है, उनके खिलाफ इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई की जाएगी।नगर आयुक्त गौरव कुमार ने कहा किकृ "शहर में सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को नियमों के दायरे में लाना आवश्यक है। ट्रेड लाइसेंस न केवल वैधता प्रदान करता है, बल्कि यह स्वच्छता, सुरक्षा और राजस्व से भी जुड़ा है। व्यवसायी समय से

अपने लाइसेंस नवीनीकरण कराएं, अन्यथा आगे भी कार्रवाई जारी रहेगी।"

लखनऊविकास प्राधिकरण में सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए विशेष कैम्प का आयोजन

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) द्वारा आवासीय एवं व्यावसायिक सम्पत्तियों की रजिस्ट्री के लिए 3 नवम्बर से 15 नवम्बर 2025 तक प्राधिकरण भवन में विशेष निबंधन शिविर आयोजित किया जा रहा है। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने इस संबंध में आदेश जारी करते हुए बताया कि रजिस्ट्री की सम्पूर्ण कार्यवाही एक ही पटल पर की जाएगी, जिससे आवंटियों को सुविधा मिल सके।एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव ने जानकारी दी कि प्राधिकरण द्वारा समय–समय पर विभिन्न आवासीय और व्यावसायिक सम्पत्तियों का आवंटन किया गया है, जिनमें से कई सम्पत्तियों की रजिस्ट्री अब तक नहीं हो पाई है। इसी दृष्टिगत प्राधिकरण और निबंधन विभाग के सहयोग से यह विशेष निबंधन शिविर आयोजित किया जा रहा है।शिविर का आयोजन 3 नवम्बर से 15 नवम्बर तक प्राधिकरण भवन के समिति कक्ष में किया जाएगा। पहले 10 दिनों में एलडीए के अधिकारी एवं कर्मचारी रजिस्ट्री से संबंधित दस्तावेज तैयार करेंगे, जबकि अंतिम तीन दिनों में रजिस्ट्री विभाग की टीम कैम्प में उपस्थित रहकर निबंधन एवं पंजीयन की कार्यवाही पटल पर ही सुनिश्चित करेगी।उप सचिव माधवेश कुमार ने बताया कि जिन आवंटियों ने सम्पत्ति की पूरी धनराशि जमा कर दी है, उन्हें कॉल सेंटर के माध्यम से रजिस्ट्री कराने की सूचना भेजी जा रही है। साथ ही जिन आवंटियों ने सम्पत्ति मूल्य का 80 प्रतिशत या उससे अधिक भुगतान किया है, उन्हें भी पूर्ण धनराशि जमा कराकर रजिस्ट्री कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा।यह पहल आवंटियों की सुविधा एवं पारदर्शी निबंधन प्रक्रिया सुनिश्चित करने की दिशा में एलडीए का एक महत्वपूर्ण कदम है।

कार्तिक पूर्णिमा, नव वर्ष एवं वैवाहिक सीजन की शुभ शुरुआत पर इंडियन सिल्क गैलरी एक्सपो का भव्य शुभारंभ

(संवाददाता) लखनऊ। कार्तिक पूर्णिमा, नव वर्ष एवं वैवाहिक सीजन के शुभ अवसर पर इंडियन सिल्क गैलरी द्वारा आयोजित भव्य हैंडलूम एवं सिल्क एक्सपो का शुभारंभ आज सफेद बरादरी, कैसरबाग में किया गया। यह सात दिवसीय एक्सपो 2 नवंबर 2025 से 8 नवंबर 2025 तक चलेगा।एक्सपो का उद्घाटन विधायक, मोहनलालगंज अमरेश कुमार ने दीप प्रज्वलन कर किया। इस मौके पर आयोजक निवास ,जावेद मकसूद,मोनिस सेविटार मौजूद रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अमरेश कुमार ने बुनकरों के हित में केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों का जिक्र करते हुए कहा किकृ"माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में बुनकरों एवं हस्तशिल्पियों के विकास के लिए अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं। इनके प्रयासों से देशी हथकरघा एवं रेशम उद्योग को नई गति मिली है और बुनकरों को सीधा लाभ प्राप्त हो रहा है।" उन्होंने एक्सपो के सफल आयोजन के लिए आयोजकों एवं बुनकरों को शुभकामनाएं दीं।एक्सपो के मुख्य आकर्षण इस भव्य एक्सपो में भारत की पारंपरिक हैंडलूम विरासत को प्रदर्शित किया गया है।स्पेशल कलेक्शन में शामिल हैंरूइंडिया हैंडलूम सिल्क मार्क एवं हैंडलूम मार्क उत्पाद बनारसी सिल्क तस्सर कांथा गढ़वाल चंदेरी कांचीपुरम पोचमपल्ली इक्कत पैठानी जयपुर बगरू प्रिंट्स सहित कई क्षेत्रीय परिधान इन पारंपरिक परिधानों एवं शुद्ध प्राकृतिक रेशों की बेहतरीन रेंज एक ही छत के नीचे किफायती दामों पर उपलब्ध कराई जा रही है। यह एक्सपो त्यौहारों एवं विवाह सीजन पर ग्राहकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा तथा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देगा। एक्सपो में रोजाना विशेष डिस्काउंट ऑफर, डिजाइनर कलेक्शन और हस्तनिर्मित परिधानों की विस्तृत श्रृंखला देखने को मिलेगी। आयोजकों के अनुसार बढ़ती भीड़ इस बात का संकेत है कि स्वदेशी व हैंडलूम परिधानों की मांग लगातार बढ़ रही है।

राजधानी लखनऊ में शुरू हुआ उत्तर प्रदेश का पहला V5 रिटेल आउटलेट, मेव बाय एम्ब्रोसिया ने दी वाइन उद्योग को नई पहचान

लखनऊ (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मेव बाय एम्ब्रोसिया ने उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से राज्य का पहला ट5 रिटेल आउटलेट शुरू किया है। यह आउटलेट गोमती नगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के पास शहर के प्रीमियम क्षेत्र में स्थापित किया गया है। ट5 रिटेल लाइसेंस उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उन वाइनरियों को प्रदान किया जाता है जो राज्य में स्वयं वाइन का निर्माण करती हैं। इस योजना का उद्देश्य प्रदेश में निर्मित वाइन के प्रचार, बिक्री और प्रसार को प्रोत्साहित करना है, ताकि उच्च गुणवत्ता वाली स्थानीय वाइन सीधे उपभोक्ताओं तक पहुँच सके।मेव बाय एम्ब्रोसिया के संस्थापक माधवेंद्र देव सिंह ने उद्घाटन अवसर पर कहा कि "ट5 रिटेल केवल एक बिक्री केंद्र नहीं है, बल्कि यह उत्तर प्रदेश की वाइन उद्योग के लिए आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम है। इस पहल से प्रदेश में बनी वाइन को सीधा बाजार मिलेगा और स्थानीय उद्योग को नई पहचान प्राप्त होगी।"

मेव बाय एम्ब्रोसिया ने देश की पहली शहतूत आधारित नैचुरल वाइन 'मेव मलबरी मोरट मीड वाइन' प्रस्तुत की थी। हाल ही में इस वाइन को 29 अक्टूबर 2025 को गुरुग्राम (दिल्ली–एनसीआर) में आयोजित स्पिरिट्ज मैगजीन की राष्ट्रीय ब्लाइंड टेस्टिंग प्रतियोगिता में सिल्वर अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। यह उपलब्धि उत्तर प्रदेश में निर्मित वाइन की गुणवत्ता और नवाचार क्षमता का प्रमाण मानी जा रही है।नया ट5 आउटलेट एक अनुभव एवं प्रदर्शन केंद्र के रूप में भी कार्य करेगा, जहाँ उपभोक्ता प्रदेश में निर्मित वाइन और अन्य प्राकृतिक उत्पादों का स्वाद और अनुभव प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल राज्य सरकार की कृषि–प्रसंस्करण, ग्रामीण उद्यम, रोजगार सृजन और पर्यटन विकास को प्रोत्साहित करने वाली नीतियों के अनुरूप है।एम्ब्रोसिया वायनरी के तहत स्थानीय फलों जैसे आम, जामुन, आंवला और बेर से फ्रूट वाइन का उत्पादन किया जा रहा है। यह न केवल उत्पादन की एक नई दिशा है बल्कि किसानों को अपने फलों के लिए उचित मूल्य दिलाने का अवसर भी प्रदान करेगी। इस परियोजना से प्रदेश की क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को गति मिलेगी और किसानों की आमदनी में सीधा इजाफा होगा।वायनरी पर्यावरण के अनुकूल तकनीकों का उपयोग कर रही है तथा इसके संचालन में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। उत्पादन, पैकेजिंग, तकनीकी और विपणन जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। इससे प्रदेश के युवाओं को रोजगार और प्रशिक्षण दोनों के अवसर प्राप्त होंगे।उत्तर प्रदेश विशेष रूप से आम और जामुन जैसे फलों के लिए प्रसिद्ध है, लेकिन अब तक इनके प्रसंस्करण और मूल्यवर्धन की दिशा में सीमित कार्य हुआ था। इस वायनरी के माध्यम से अब इन फलों का आधुनिक उपयोग किया जाएगा, जिससे राज्य में फल उत्पादन को नई पहचान मिलेगी।यह परियोजना न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि राज्य की समग्र अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा देगी। किसान, श्रमिक, ट्रांसपोर्टर, विपणन एजेंसियां और खुदरा व्यापारीकृसभी इस प्रक्रिया के हिस्सेदार बनेंगे, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक गतिविधियों को व्यापक गति मिलेगी।

लोग मुंह में अंबेडकर, दिल में कमल,उदित राज का मायावती पर बड़ा हमला

(संवाददाता) लखनऊ,। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की हालिया लखनऊ रैली ने बिहार की राजनीति में हलचल मचा दी है। यह रैली मान्यवर कांशीराम जी की पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित की गई थी, लेकिन राजनीतिक गलियारों में सवाल उठ रहे हैं कि इस बार का आयोजन असामान्य रूप से बीजेपी के पक्ष में माहौल बनाने के लिए किया गया था। रविवार को कांग्रेस के पूर्व सांसद डॉ उदित राज ने कहा कि बिहार में भाजपा को जिताने के लिए मायावती ने लखनऊ में रैली आयोजित की थी। उन्होंने कहा कि उस समय ही संदेह तो हुआ था इसके पहले मान्यवर कांशीराम जी के पुण्य तिथि पर कभी नहीं किया। डॉ उदितराज ने कहा कि रैली का असर हुआ कि बिहार विधानसभा चुनाव में न केवल टिकट के दाम बढ़े बल्कि इंडिया गठबंधन का वोट कटेगा। जय और वीरू की दोस्ती से क्या कम है? गलत नहीं कहते हैं लोग मुंह में अंबेडकर और दिल में कमल।

अवैध अतिक्रमण पर कवा वन विभाग की बड़ी कार्रवाई - एक आरोपी गिरफ्तार, वाहन जब्ती की प्रक्रिया शुरू

सैयद समीर हुसैन

संवाददाता ठाणे,कलवा। कळवा वन प्रभाग ने आरक्षित वन क्षेत्र में चल रहे अवैध अतिक्रमण के प्रयास को विफल करते हुए एक बड़ी कार्रवाई अंजाम दी है। यह कार्रवाई ३० अक्टूबर २०२५ की रात्रि को कळवा के ठाकुरपाडा (कारगील खोंडा) क्षेत्र में की गई, जहाँ संयुक्त दल ,जिसमें एसआरपीएफ जवान और वन कर्मचारी शामिल थे कृश्री नरेंद्र मुठे साहब, वन क्षेत्र अधिकारी ठाणे, के मार्गदर्शन में वन विभाग की टीम के साथ मुंब्रा कलवा गोटेघर के वन अधिकारी संदीप सीताराम मोरे ने तत्परता से छापा मारा। छापेमारी के दौरान एक टेम्पो (क्रमांक डभ–०४/डभ–५५६७) से लगभग ८०० ईंटें आरक्षित वन भूमि पर उतारी जा रही थीं। टीम ने मौके पर ही वाहन चालक सचिन बालाजी केदासे को रंगेहाथ गिरफ्तार किया। उसके विरुद्ध भारतीय वन अधिनियम, १६२७ की संबंधित धाराओं के तहत गंभीर अपराध दर्ज किया गया है।

गिरफ्तारी के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहाँ मा. प्रथम वर्ग न्यायिक दंडाधिकारी, ठाणे ने उसे १४ नवम्बर २०२५ तक न्यायिक हिरासत (डंहपेजमतपंस ब्नेजवकल) में भेजने का आदेश दिया। फिलहाल आरोपी ठाणे की मध्यवर्ती कारागार में निरुद्ध है। वन विभाग के आला अधिकारियों ने बताया कि अपराध में प्रयुक्त टेम्पो वाहन अधिनियम की धारा ५२(२) के तहत ज़ब्ती योग्य है, और वाहन जब्ती की कानूनी प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। इस मामले में फरार वाहन मालिक दिनेश सुपारीलाल यादव की तलाश भी जारी है।वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि आरक्षित वन क्षेत्र में किसी भी प्रकार की अनधिकृत गतिविधि या अतिक्रमण के विरुद्ध उनकी कार्रवाई आगे भी इसी दृढ़ता से जारी रहेगी। आपको बता दे के जब वन अधिकारी संदीप सीताराम मोरे ने कलवा के ठाकुर पाड़ा क्षेत्र में छापा मारा तो अतिक्रमण करने वाले और उनके कुछ सहयोगियों ने एसएस मोरे पर पथराव भी किया। ऐसा एसएस मोरे ने बातचित के दौरान बताया। अतिक्रमण करने वाले भूमाफिया के हौसले इतने बुलंद है के कोई अधिकारी उन्हें रोकने की हिम्मत नहीं करता।ऐसे में संदीप सीताराम मोरे ने वन विभाग की ज़मीनो को बचाने के लिए किया। और ये हिम्मत मोरे को उनके आला अधिकारियों से मिली है। संदीप सीताराम मोरे ने बता हम ऐसे ही अपनी जिम्मेदारियों को निभाते रहेंगे। बस हमारा विभाग हमारे साथ रहे।

सिंगल यूज प्लास्टिक पर रोक के लिए जागरूकता अभियान , चिनहट द्वितीय वार्ड में लखनऊ स्वच्छता अभियान की विशेष पहल

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ स्वच्छता अभियान के अंतर्गत महापौर सुषमा खर्कवाल के मार्गदर्शन एवं वार्ड 66 चिनहट द्वितीय के पार्षद शैलेंद्र कुमार वर्मा के नेतृत्व में सिंगल यूज प्लास्टिक के प्रतिबंध के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने हेतु एक विशेष अभियान आयोजित किया गया।कार्यक्रम के दौरान पार्षद शैलेंद्र वर्मा ने क्षेत्रवासियों और दुकानदारों को कपड़े से बने पर्यावरणदृअनुकूल थैले वितरित किए तथा नागरिकों से प्लास्टिक थैलों का प्रयोग बंद करने की अपील की। स्वच्छता के प्रति जिम्मेदार नागरिकों को सम्मानित करने के उद्देश्य से उन परिवारों को, जो नगर निगम की गाड़ियों को गीला और सूखा कचरा पृथक करके सौंपते हैं, "इकोदृफ्रेंडली ग्रीन गणेश" की मूर्तियाँ प्रदान की गईं।अभियान के तहत आयोजित नुक्कड़ सभा में पार्षद वर्मा ने नागरिकों को सिंगल यूज प्लास्टिक के पर्यावरणीय दुष्प्रभावों, कचरा पृथक्करण के महत्व और स्वच्छता व सतत विकास के संबंध पर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ और हरित लखनऊ के निर्माण में प्रत्येक नागरिक की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।यह जनजागरूकता अभियान लखनऊ नगर निगम द्वारा स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे सतत प्रयासों की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसका उद्देश्य नागरिकों में पर्यावरणीय जिम्मेदारी और सामूहिक सहभागिता को सुदृढ़ बनाना है।

(हिन्दी दैनिक)
न्यूज़ वाणी

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक फतेहपुर किंग सेवा संस्थान के लिए नफीस अहमद जाफ़री द्वारा त्रिपाठी प्रिटिंग प्रेस 12/29 पुराना किला, कैन्ट रोड लखनऊ से मुद्रित एवं 459/786 महताब बाग अपोज़िट शीश महल तालाब दुर्गा देवी मार्ग चौक लखनऊ, उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक
सैयद दानिश अब्बास
मो0 नं– 9936727418

प्रधान संपादक
नफीस जाफ़री
मो0 नं– 9451548620

Email- dailynewswani@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय ही मान्य होगा।

इस अंक में प्रकाशित लेखों के चयन व संपादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट के अर्न्तगत उत्तरदायी।